दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7 | 3 सीएम योगी ने चढ़ाई गुरु गोरखनाथ को आस्था की खिचड़ी | 5 मतदाता सूची में वोटरों का पता गलत होना सामान्य बात... | 8 श्रीकांत की शानदार जीत

UPHIN/2023/90814 | वर्ष: 03, अंक: 30 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 19 जनवरी,2026

कोहरे की चादर से ढका पूरा प्रदेश

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश घने कोहरे की चादर में लिपटा है। कई जिलों में दृश्यता शून्य दर्ज की गई, जिससे गलन और ठिठुरन बढ़ गई है। न्यूनतम तापमान 4 डिग्री तक पहुंच गया है। मौसम विभाग ने ज्यादातर जिलों में घना कोहरा और देर से धूप निकलने की चेतावनी दी है। कोहरे के बढ़ते असर और धूप देर से निकलने की वजह से सुबह ठिठुरन का अहसास बढ़ गया। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार को प्रदेश के ज्यादातर जिलों में कोहरे का असर बढ़ेगा और देर से धूप निकलने की वजह से सुबह और शाम को गलन जैसा अहसास बना रहेगा। कई जिलों में सुबह घने कोहरे की वजह से शून्य दृश्यता दर्ज की गई। वहीं हरदोई, कानपुर, नजीबाबाद, अयोध्या और बिजनौर में सबसे कम न्यूनतम तापमान 4 डिग्री दर्ज किया गया।

अगर तापमान के आंकड़ों पर गौर करें तो बहुत से जिलों में न्यूनतम तापमान में आंशिक वृद्धि दर्ज की गई लेकिन सुबह घने कोहरे और धूप न निकलने की वजह से गलन महसूस की गई। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि न्यूनतम तापमान में आंशिक बढ़ोतरी की प्रकृति का दौर जारी रहेगा लेकिन कोहरा प्रदेश के 75 प्रतिशत जिलों में घना हो जाएगा।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक मोहम्मद दानिश ने बताया कि प्रदेश में सबसे कम न्यूनतम तापमान हरदोई, कानपुर, नजीबाबाद, अयोध्या और बिजनौर में 4 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं मुजफ्फरनगर में न्यूनतम तापमान 4.1, मुरादाबाद में 4.2, अलीगढ़ में 4.4, फुर्सतगंज में 4.6, गोरखपुर में 4.7 और बरेली में 4.8 डिग्री रहा। राजधानी लखनऊ में न्यूनतम तापमान 5.8 डिग्री दर्ज किया गया।

दृश्यता शून्य...गलन से जीवन बेहाल, बढ़ी ठिठुरन

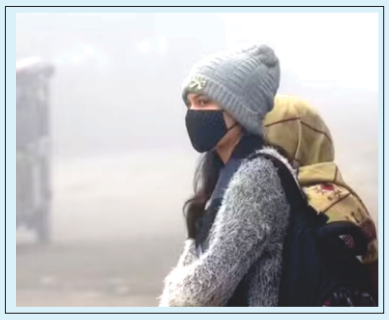

जहां देर से धूप निकल रही है वहां ठंड ज्यादा महसूस होगी। उन्होंने बताया कि मुरादाबाद, प्रयागराज, श्रावस्ती, बरेली में सुबह दृश्यमा शून्य दर्ज की गई। वहीं हरदोई में 30, फतेहगढ़ और बहराइच में 40, अलीगढ़, मुजफ्फरनगर और मेरठ में दृश्यता 50 मीटर रही।

यहां अत्यंत घना कोहरा रहने के आसार

बस्ती, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुरखीरी, सीतापुर, हरदोई, लखनऊ, बाराबंकी, अयोध्या, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फनगर, बागपत, मेरठ, हापुड़, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं।

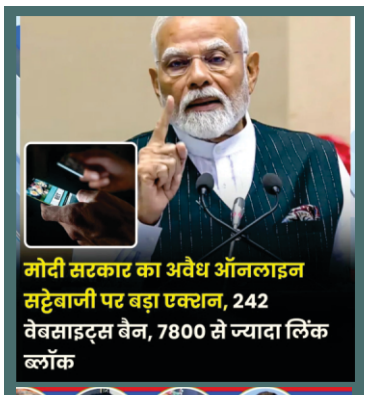

मोदी सरकार का अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी पर बड़ा एक्शन, 242 वेबसाइट्स बैन, 7800 से ज्यादा लिंक ब्लॉक

महाराष्ट्र में भाजपा का वो 'प्रयोग' अब सफल हुआ, आज खुश तो बहुत होंगे अमित शाह

महाराष्ट्र नगर निगम चुनाव में हिंदू और SC/ST उम्मीदवारों ने AIMIM को दिलाई बड़ी जीत, राज्य भर में पार्टी ने जीतीं 126 सीटें

'इस जीवन में उससे नहीं मिलना' खेसारी लाल यादव को देखना तक नहीं चाहते पवन सिंह

मैरीकॉम का बड़ा दावा: पति मेरी कमाई पर जीते हैं, निभाई नहीं ईमानदारी

बेटी-बेटे को जहर दे मां ने दी जान

छोटी सी जिद... खामोश हो गईं तीन जिंदगियां, झगड़े की वजह से हर कोई हैरान

सहारनपुर ,संवाददाता। सहारनपुर में एक महिला ने बेटी और बेटे को जहर देने के बाद खुद भी जान दे दी। शौचालय के विवाद में महिला ने जानलेवा कदम उठाया। गांव के बाहर तीनों बेसुध मिले। मौके से सल्फास की खाली शीशी मिली। ससुराल वालों पर आत्महत्या के लिए उकसाने की एफआईआर दर्ज की गई है। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले से सनसनीखेज खबर सामने आई है। यहां गागलहेड़ी इलाके के बलियाखेड़ी गांव में एक महिला ने घर में विवाद के बाद दो बच्चों को जहर देकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं जांच शुरू कर दी है।

दरअसल, बलियाखेड़ी गांव में शौचालय पहले इस्तेमाल करने की छोटी सी जिद थी, कोई बड़ा विवाद नहीं था, लेकिन उसका परिणाम इतना घातक होगा यह किसी ने नहीं सोचा होगा। मामूली सी बात ने एक मां और उसके दो बच्चों की जिंदगी को हमेशा के लिए खामोश कर दिया। शौचालय तो वहीं रहेगा, लेकिन तीन जिंदगी इस दुनिया से चली गईं, जो अपने पीछे कई सवाल छोड़ गईं। क्या जान इतनी सस्ती है कि मनीता ने पल भर में मौत को गले लगा दिया।

मतदाता सूची में दर्ज पते ठीक कराएं सभी ईआरओ...

चुनाव आयोग ने दिए निर्देश, कहा- यह समस्या दशकों पुरानी

लखनऊ,संवाददाता। चुनाव आयोग ने मतदाता सूची में दर्ज पतों की दशकों पुरानी गड़बड़ी को ठीक करने के निर्देश दिए हैं। ईआरओ और बीएलओ को जिम्मेदारी सौंपी गई है। आयोग ने बूथ विभाजन में नियम उल्लंघन पर सख्ती दिखाई और बिना आधार मोबाइल लिंक करने की सुविधा भी स्पष्ट की। चुनाव आयोग ने सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) को मतदाता सूची में दर्ज पतों को ठीक करने के निर्देश दिए हैं।

यह भी कहा है कि यह गलती सभी मतदान केंद्रों की सूची में मौजूद है। सूची में विभिन्न असंबंधित व्यक्तियों के नामों के सामने मकान नंबर एक जैसा आ जाना बहुत ही आम गलती है। यह असंतोषजनक स्थिति एसआईआर की वजह से पैदा नहीं हुई है, क्योंकि गणना चरण में मतदाता के किसी भी विवरण को संशोधित नहीं किया गया है। बल्कि यह स्थिति तो दशकों से चली रही है। सीईओ नवदीप रिणवा ने कहा कि ऐसी गलतियां कई कारणों से होती हैं। एक प्रमुख कारण यह है कि सभी गांवों में किसी भी मकान का और शहरों में बहुत से मकानों का कोई नंबर नहीं होता। इसलिए गांवों में काल्पनिक नंबर दे दिया जाता है। शहरों में मकान नंबर के स्थान पर 0 या 00 लिखा जाना एक आम चलन है। वोटर लिस्ट के भागों को सही प्रकार से पर्याप्त संख्या में स्पष्ट अनुभागों में न बांटा जाना इस विसंगति का एक कारण बना। सीईओ ने बताया कि अब इस स्थिति को सुधारने के लिए सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) को निर्देशित कर दिया गया है।

इस समस्या को जड़ से समाप्त करने के लिए सभी पोलिंग स्टेशनों के मतदान क्षेत्रों में पर्याप्त संख्या में स्पष्ट अनुभाग बनाए जाएं, जिससे न केवल मतदाता पर्ची बांटने के लिए वोटरों को ढूंढने में आसानी होगी, बल्कि असंबंधित लोगों के मकान नंबर एक समान आने की समस्या से भी कुछ हद तक निजात मिलेगी। बीएलओ को यह ज़िम्मेदारी दी गई है कि वे अपने क्षेत्र के सारे बूथों की वोटर लिस्टों को ध्यानपूर्वक पढ़कर इस तरह की त्रुटियां दुरुस्त करा लें।

महायुति की महाविजय

118 सीटें जीतकर किया बहुमत का आंकड़ा पार

मुंबई,एजेंसी। बीएमसी समेत महाराष्ट्र के 29 महानगरपालिकाओं में चुनाव के नतीजे घोषित हो गए हैं। मुंबई में भाजपा नीत गठबंधन ने स्पष्ट बहुमत का आंकड़ा पार कर दिया है। अन्य महानगर पालिकाओं से भी चुनाव परिणाम सामने आ गए हैं। छह संभागों में किस दल को कितनी सीटें मिली।

महाराष्ट्र निकाय चुनावों पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा, "मुझे बहुत खुशी है कि भारतीय जनता पार्टी ने महाराष्ट्र में एक अभूतपूर्व जीत हासिल की है। भारतीय जनता पार्टी और हमारे गठबंधन सहयोगियों ने मुंबई सहित 29 में से लगभग 25 जगहों पर स्पष्ट बहुमत हासिल किया है। भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, और मैं महाराष्ट्र के लोगों और सभी कार्यकर्ताओं को दिल से बधाई देता हूं। यह जीत प्रधानमंत्री मोदी पर महाराष्ट्र के भरोसे का सबूत है। यह जीत हमारे सभी कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत का नतीजा है, खासकर लोगों ने हमारे विकास एजेंडे का समर्थन किया है।"

नागपुर, अकोला और अमरावती नगर निगमों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी, जबकि चंद्रपुर में कांग्रेस का प्रदर्शन सबसे अच्छा रहा। नागपुर में भाजपा ने 151 में से 102 सीटें जीतकर लगातार चौथी बार सत्ता बरकरार रखी, जबकि उसकी सहयोगी शिवसेना को केवल एक सीट मिली। कांग्रेस ने 34 सीटें, एआईएमआईएम ने छह, इंडियन मुस्लिम लीग ने 4, शिवसेना (यूबीटी) ने 2 सीटें जीतीं, जबकि एनसीपी और बसपा ने एक-एक सीट हासिल की।

भाजपा की पुणे और पिंपरी चिंचवड में सत्ता बरकरार

भाजपा ने पुणे और पड़ोसी पिंपरी चिंचवाड़ में हुए नगर निगम चुनावों में अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी और एनसीपी (एसपी) सहित विपक्ष को करारी शिकस्त देते हुए निर्णायक बहुमत हासिल किया और दोनों नगर निगमों में सत्ता बरकरार रखी।

पश्चिमी महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों में भी भगवा पार्टी विजयी हुई, जिनमें कोल्हापुर, सांगली, सोलापुर और सतारा जिले शामिल हैं। पुणे में भाजपा ने 95 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस, एनसीपी और एनसीपी (एसपी) ने क्रमशः 15, 20 और 2 सीटें हासिल कीं। पिंपरी चिंचवाड़ में भाजपा ने 127 में से 84 सीटें जीतकर सत्ता बरकरार रखी। अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी ने 36 सीटें जीतीं।

सम्पादकीय

रानी नरसंहार के बाद

ईरान में अब बगावत या विद्रोह नहीं, बल्कि नरसंहार जारी है। एक आंकड़ा है कि अभी तक करीब 650 मौतें हो चुकी हैं, जबकि पश्चिमी मीडिया 6000 से अधिक मौतों की खबर दे रहा है। कथित 'क्रांतिवीर' इरफान को फांसी की सजा सुनाई गई है। ईरानी पुलिस ने 11,000 से अधिक विद्रोहियों को गिरफ्तार किया है अथवा हिरासत में रखा है। सडकों पर 15–18 लाख विद्रोही आंदोलित हैं। लोग जिंदा जलाए जा रहे हैं। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के एक कर्नल की विद्रोहियों ने हत्या कर दी है।

मस्जिदें, बैंक, सरकारी इमारतें, पुलिस स्टेशन जलाए गए हैं। गवर्नर आवास भी आगजनी का शिकार हुआ है। ईरानी हुकूमत ने विद्रोहियों को देखते ही गोली मार देने के आदेश जारी किए हैं। विद्रोहियों को 'सजा–ए–मौत' भी दी जा सकती है। इन ऐलानों के बावजूद लाखों युवाओं के हुजूम सुप्रीम धार्मिक नेता खामेनेई का तख्तापलट करने पर आमादा हैं। सडक़ों पर खामेनेई समर्थक भी फैल गए हैं। आंदोलन महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक पतन, ढहती मुद्रा रियाल आदि के खिलाफ शुरू हुआ था, लेकिन अब उसने अंतरराष्ट्रीय रूप ले लिया है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप लगातार ईरानी हुकूमत को धमका रहे हैं कि कभी भी हमला किया जा सकता है।

एक ओर अमरीका है, तो दूसरी ओर ईरान के साथ रूस, चीन सरीखी महाशक्तियां हैं। बीच में खबर आई थी कि खामेनेई अपने परिवार और घोर समर्थक 20 लोगों के साथ मॉस्को भाग सकते हैं, लेकिन वह अब भी ईरान के बेहद सुरक्षित ठिकाने के भीतर हैं और बेहद घातक बल के जवान उनकी सुरक्षा में मोर्चाबंद हैं। ईरान वेनेजुएला नहीं है, लिहाजा ट्रंप किसी मुगालते में न रहें। ईरान एक ताकतवर और प्रशिक्षित सेना वाला देश है। उसके पास परमाणु सम्मत मिसाइल भी है, जिसका एक चित्र मीडिया में दिखाया गया था। ईरान ने ऐलान किया है कि यदि अमरीका ने हमला किया, तो ईरान अपने आसपास के 19 अमरीकी बेसों पर हमला कर उन्हें तबाह कर देगा।

लिहाजा राष्ट्रपति ट्रंप जरा खुद को संयमित रखें और दूसरे देशों को हड़पने की रणनीति फिलहाल शांत कर दें, क्योंकि उनके टैरिफवाद पर सुप्रीम अदालत का फैसला आने वाला है और अमरीका में ही सैकड़ों शहरों में ट्रंप–विरोधी प्रदर्शन जारी हैं। लोकतंत्र में जनता का हुजूम कोई भी करवट ले सकता है। सत्ताएं पलट जाती हैं। बेशक ईरान बहुत तेजी से विपन्नता की ओर बढ़ा है। जनवरी, 2026 में ही वहां की खाद्य मुद्रास्फीति 70–85 फीसदी तक उछल चुकी है। एक डॉलर की कीमत 14.20 लाख ईरानी रियाल हो गई है। गरीबी दर करीब 40 फीसदी है और देश की विकास दर मात्र 0.6 फीसदी है। खाने–पीने की चीजें दुर्लभ हो गई हैं। भारत के संदर्भ में देखें, तो वित्त वर्ष 2024–25 में दोनों देशों का आपसी कारोबार करीब 1.68 अरब डॉलर रहा। भारत को करीब 0.80 अरब डॉलर का व्यावसायिक लाभ हुआ। भारत ईरान को चावल, चीनी, चाय, दवाइयां, इलेक्ट्रोनिक मशीनरी, कृत्रिम फाइबर आदि निर्यात करता है, जबकि ईरान से सूखे मेवे, रसायन, कांच से बने उत्पाद भारत को भेजे जाते हैं। ईरान सबसे अधिक कच्चा तेल आपूर्ति वाला तीसरा सबसे बड़ा देश है। यदि ईरान संकट का असर होर्मुज जलडमरूमध्य तक पहुंचता है, तो वैश्विक तेल आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित होगी। दुनिया के करीब 20 फीसदी कच्चे तेल की आपूर्ति इसी रास्ते से होती है। भारत अपनी जरूरत का 80 फीसदी से ज्यादा तेल आयात करता है। ऐसे में तेल महंगा हो सकता है। यही नहीं, ईरान की चाबहार बंदरगाह भारत को पाकिस्तान को बायपास करते हुए अफगानिस्तान, मध्य एशिया और यूरोप तक सीधा व्यापारिक रास्ता देती है। यदि ईरान में अस्थिरता बढ़ती है और चाबहार बंदरगाह प्रभावित, बाधित होती है, तो भारत की भू–आर्थिक रणनीति को बड़ा झटका लग सकता है।

अपने या पराये अधिकारी

प्रशासन को सुशासन तक ले जाने की जिम्मेदारी से अलग अब बहस क्षेत्रवाद के मसौदे में उलझ गई है। लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह की सोशल मीडिया पोस्ट ने अपनी ही सरकार के सचिवालय से पूछते हुए अधिकारियों के बीच 'अपने–पराये' की संज्ञा ईजाद की है। यानी अब हिमाचल के रास्ते इतने संकीर्ण हो जाएंगे कि राष्ट्रीय सेवाओं के उद्गम में भी कुछ बाहरी राज्य गिने जाएंगे। टिप्पणी से अलग एक चरागाह वो भी है, जहां राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी असहमत होने की वजह बताते हैं। अधिकारियों को ललकारना एक फैशन है, तो राजनीतिक पाजेब में थिरकना भी एक शिरकत है। इसमें दो राय नहीं कि सचिवालय की दीवारों में छेद हैं और यह भी सही है कि सियासत में नौकरीशाही गूंजती है, लेकिन यह असत्य है कि कुछ बाहरी राज्यों से आए आईएएस या आईपीएस अधिकारी ही मर्ज हैं। हमारे अपने या यूं कहें कि हिमाचल से निकले अधिकारी भी कोई छप्परफाड़ करिश्मा नहीं कर रहे।

गांठें अगर हैं, तो इसके लिए प्रदेश की राजनीति और राजनेताओं का कद दोषी है। प्रदेश के चिंतन में विरासत से निकली सियासत की भूमिका कम हो रही है। यह इसलिए भी कि हिमाचल की आर्थिक खुशामद नहीं कर सकती। यहां मंत्री हक जता रहे या न्याय मांग रहे हैं। इससे पहले उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री भी मंडी के पटल पर अधिकारियों के प्रति रोष और अपने रुतबे के प्रति असंतोष प्रकट कर चुके हैं, तो अब जिक्र की नजर एक और गुस्सा हासिल है। यहां प्रशासनिक अधिकारियों के सामने राजनीतिक जमात का कद देखा जा रहा है, जबकि नागरिक समाज का भरोसा अब संपूर्ण व्यवस्था से कम हो रहा है। हमारे लोकतंत्र के स्तंभ अपनी स्वतंत्र हैसियत के विपरीत आपसी संबंधों के संतुलन देख रहे हैं। सुशासन की तलाश में अगर गांव के स्कूल में अध्यापक, डिस्पेंसरी में डाक्टर और जमीन पर पटवारी नहीं पहुंच रहा है, तो इस सियासत का ठीकरा हर पांच साल बाद फूटेगा। बहुत कम देखने में मिलता है कि प्रशासन को स्वतंत्र तरीके से काम करने दिया जाए। अवैध पार्किंग, अतिक्रमण, अवैध खनन और नशे के व्यापार को प्रश्रय कौन देता है। कानून–व्यवस्था के बीच अड़चनें आने की वजह कोई अदृश्य शक्ति नहीं, सीधे–सीधे राजनीतिक प्रभाव होता है। जब सत्ता बदलने पर विभागीय दुकानदारी बदलने का सिलसिला दिल खोलकर सौदेबाजी करता है, तो अधिकारी सिर्फ हुक्म का इक्का होता है। यह सत्ता और विपक्ष के बीच साझेदारी है। सभी को चहेते अधिकारी चाहिएं और इसीलिए वीआईपी ड्यूटी की हाजिरी में, दफ्तरों में नागरिक भटकते हैं। सियासत अब डराने की मशीन बन चुकी है। कोई मीडिया कर्मियों को डराता है, तो कोई किसी अधिकारी को सबक सिखाता है। इसलिए अब सत्ता और विपक्ष के बंटवारे में सरकारी कार्य संस्कृति भी बंट गई है।

ट्रांसफर पालिसी इसलिए कारगर नहीं होती क्योंकि सुशासन की जगह अपने दरबार के आदमी चाहिएं। बदलते हैं आफिसर मगर इनकी संस्कृति बदलनी चाहिए। अधिकारी को अधिकार दीजिए और उसे स्वतंत्रता से निष्पक्ष रहने दीजिए, वरना दिहाड़ी तो लगती रहेगी, जनता के लिए या सियासत के दरबार में। अधिकारी को टास्क चाहिए। एक अधिकारी किसी शहर की यातायात व्यवस्था को सुधार सकता है, बशर्ते जमघट में सियासी कारिंदे न हों। प्रदेश के हमीरपुर शहर में एक पुलिस अधिकारी ने नागरिकों को भी ट्रैफिक का शिष्टाचार सिखा दिया, तो यह क्षमता हर किसी की हो सकती है। हिमाचल में मुद्दों और भविष्य की शर्तों को समझने को राजनीति तैयार नहीं। अब ट्रेड फेयर के खिलाफ व्यापार की राजनीति दिखाई दे रही है। धर्मशाला, कांगड़ा के बाद दाड़ी ट्रेड फेयर के विरोध में दो भाजपाई विधायक कूदे हैं, लेकिन क्या ऐसे मेले जनता के सहयोग के बिना सफल हो रहे हैं। उपभोक्ता को रूखा बाजार, पुराना बाजार व पार्किंग से महरूम बाजार नहीं चाहिए, तो यह अधिकार व्यापारियों के बजाय अधिकारियों का क्यों नहीं, जो नगर निकायों के मैदानों को कमाना सिखा रहे हैं। विडंबना है कि हिमाचल में राजनीति अपने लिए समर्थन और विरोध की शब्दावली से वक्त–वक्त पर परिवर्तन कर लेती है।

मेजबानी में इलेक्ट्रिक वाहन

पर्यटन विकास निगम ने सैलानियों की सहूलियत को छह इलेक्ट्रिक कार्ट खरीद कर यह संकेत दिया है कि अब वातावरण बदलने के लिए मेहनत होगी। न पर्यटन विकास निगम सिर्फ होटलों की श्रृंखला सरीखी रहेगा और न ही इमारतों के बीच पर्यटकों को सिर्फ छत उपलब्ध कराएगा। द चायल पैलेस, टी बड पालमपुर, देवदार खजियार तथा कसौली के न्यू रोज कॉमन जैसी पर्यटक इकाइयों के साथ इलेक्ट्रिक वाहन अब होटल से सैरगाह तक घुमाएंगे तो मनोरंजन के अनुभव स्टे की सार्थकता बढ़ाएंगे। अमूमन होटलों को अरामगाह बनाते हमने प्रकृति के सान्निध्य में सैरगाहें उजाड़ दी हैं। टी बड होटल के कॉन्सेप्ट में ही अगर चाय नगरी का अंदाज सीधे सैलानी से जुड़ जाए, तो पालमपुर में आने की वजह बढ़ जाएगी। ऐसे में इलेक्ट्रिक वाहन के जरिए अब टी बड आने वाले सैलानी टूअर के जरिए चाय बागानों के बीच खुद को जोडऩे के अलावा फैक्टरी तक पहुंचकर इसके उपभोक्ता बन जाएंगे। स्थानीय उत्पादों, खान–पान के स्वादों और स्थानीय हलचल के बीच खुद को सम्मिलित करते हुए पर्यटक के लिए इलेक्ट्रिक वाहन का रूट अनौपचारिक सा संबंध कायम कर लेगा। कसौली, चायल और खजियार को दिल तक महसूस करने के लिए अगर पर्यटन निगम के होटल ऐसे कार्ट के जरिए बाहें फैलाते हैं, तो कई डेस्टिनेशन भविष्य के यादगार पलों की अगुवाई कर पाएंगे। दूसरी ओर इलेक्ट्रिक कार्ट बनाम टैक्सी के बीच एक व्यापक अंतर आएगा। होटल या परिवहन के औपचारिक, कठोर और नपे तुले संबंधों को अनौपचारिकता से आगे बढ़ाने के लिए निगम का यह फैसला कारगर साबित होगा। यह महज इलेक्ट्रिक वाहन चलाने की पहल नहीं, बल्कि सैलानियों के आतिथ्य में सब कुछ भरने की कोशिश है। दिव्य हिमाचल के इस बार के डिजिटल सर्वेक्षण में अस्सी प्रतिशत प्रतिभागियों ने ओला–उबर जैसी बुकिंग के आधार पर टैक्सी सेवाएं शुरू करने पर जोर दिया है। हिमाचल के लिए सडक़ परिवहन, रेल सेवा तथा हवाई उड़ानें अगर सुधर जाएं, तो आने वालों के अनुभव बेहतर हो जाएंगे। कुछ ऊंचे स्थानों को छोड़ दें, तो हिमाचल में पर्यटक को खान–पान तथा शापिंग में उचित दरें ही मिलती हैं, लेकिन स्थानीय परिवहन के नाम पर टैक्सी सेवाएं निराश करती हैं। अगर टूरिज्म के होटल अपने पैकेज और स्टे के साथ घूमने, सैरसपाटा करवाने तथा साइट सीइंग की मेजबानी कर पाएं, तो पर्यटन का परिवार स्थापित होगा। कायदे से हर सरकारी होटल को सैलानियों के अनुभव व स्टे का विस्तार करने के लिए विभिन्न परियोजनाओं पर काम करना चाहिए। प्रत्येक सरकारी होटल अपने परिवेश के बीस–पच्चीस किलोमीटर क्षेत्रफल को सर्विस एरिया के तरह पर्यटन योजना क्षेत्र मानें, तो सैलानियों के टूअर सीधे होटल की जवाबदेही बढ़ाएंगे। इस संदर्भ में पर्यटन निगम की मार्केटिंग में आधारभूत सुविधाएं, गतिविधियां व इवेंट भागीदारी के कई द्वार खुलने चाहिएं। पर्यटन विभाग, निगम, स्थानीय प्रशासन व कई विभागों के साथ मिलकर सैलानियों की गतिविधियों की रूपरेखा को नए सिरे से अंगीकार करना होगा। उदाहरण के लिए 'नमस्ते धर्मशाला' के तहत कुछ समय पहले एक खंड विकास अधिकारी ने पर्यटकों के साथ पूरे–पूरे दिन की यात्राएं जोडक़र स्वयं सहायता समूहों, लोक कलाकारों व स्थानीय खान–पान, संस्कृति व उत्पादों को प्रोमोट किया था। ऐसे में स्थानीय बाजारों, व्यापार मंडलों व पारंपरिक हथकरघा उद्योगों को भी पर्यटन मार्केट के साथ जोडऩे की सुविधाएं व समाधान तराशने होंगे। पर्यटक केवल साइट सीइंग करके ही न लौटें, इनके लिए प्रमुख बाजारों को वाहन रहित बनाने के लिए प्वाइंट टू प्वाइंट इलेक्ट्रिक कार्ट चलाने चाहिएं। यहां एचआरटीसी को भी ऐसे कार्ट व इलेक्ट्रिक टैक्सी सेवाओं की नियमित सेवाएं प्वाइंट टू प्वाइंट शुरू करनी होंगी।

पाकिस्तान युद्ध के संकेत!

पाकिस्तान का कुल 2.85 अरब डॉलर का नुकसान हुआ था। पाकिस्तान कर्जदार देश है। क्या एक और युद्ध बर्दाश्त कर सकेगा? हमलों में 100 से ज्यादा आतंकी ढेर किए गए और 9 आतंकी अड्डों को 'मिट्टी–मलबा' कर दिया था। पाकिस्तान को यह विध्वंस आज भी याद होगा। परमाणु हमले की बातें पाकिस्तान के नेता ही करते हैं, जो पूरी तरह 'ब्लफ' है। सिर्फ सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी ने ही चेतावनी का बयान नहीं दिया है, बल्कि सेना की पश्चिमी कमान के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार ने भी बीते दिनों युद्ध की आशंका जताई थी।

जम्मू–कश्मीर में राजौरी, पुंछ और सांबा के इलाकों में, सीमापार से, 8–10 ड्रोन उड़ते देखे गए। सेना तुरंत हरकत में आई और एंटी ड्रोन सिस्टम सक्रिय किया गया, उतनी ही देर में वे गायब हो गए। सीमा पर भारत की सेना 'हाई अलर्ट' की स्थिति में है। हमारे थलसेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को आगाह किया है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' अब भी जारी है। पाकिस्तान इसके मायने बखूबी जानता है। जनरल द्विवेदी ने यह भी खुलासा किया कि नियंत्रण–रेखा पर 6 और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर 2 आतंकी अड्डे सक्रिय देखे गए हैं। उनमें आतंकी गतिविधियां भी देखी गई हैं। यदि पाकिस्तान ने कोई हरकत की, तो इस बार उसका नामोनिशान मिटा दिया जाएगा। यह कोई राजनीतिक बयान नहीं है, बल्कि सेना प्रमुख ने चेतावनी दी है। जनरल ने यह भी बताया कि बीती मई में 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान के 100 से अधिक फौजी भी मारे गए थे। हमारी सेना ने पाकिस्तान के 9 लड़ाकू विमान गिराए, 11 एयरबेस तबाह किए और 2 अवॉक्स सिस्टम बर्बाद किए थे।

पाकिस्तान का कुल 2.85 अरब डॉलर का नुकसान हुआ था। पाकिस्तान कर्जदार देश है। क्या एक और युद्ध बर्दाश्त कर सकेगा? हमलों में 100 से ज्यादा आतंकी ढेर किए गए और 9 आतंकी अड्डों को 'मिट्टी–मलबा' कर दिया था। पाकिस्तान को यह विध्वंस आज भी याद होगा। परमाणु हमले की बातें पाकिस्तान के नेता ही करते हैं, जो पूरी तरह 'ब्लफ' है। सिर्फ सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी ने ही चेतावनी का बयान नहीं दिया है, बल्कि सेना की पश्चिमी कमान के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार ने भी बीते दिनों युद्ध की आशंका जताई थी। उन्हें पाकिस्तानी फौज की अंदरूनी हलचलों के कुछ 'लीड' मिले होंगे, जिनके आधार पर उन्होंने आशंका जताई थी कि पाकिस्तान की तरफ से युद्ध जैसा दुस्साहस किया जा सकता है। बहरहाल हमारी सेनाएं मुस्तैद और सक्रिय हैं, बेशक युद्ध की कैसी भी संभावनाएं बनें। 2025 में कुल 31 आतंकी ढेर किए गए, जिनमें अधिकतर पाकिस्तानी थे। कश्मीर में आज भी 'जयचंद' सक्रिय हैं, लिहाजा उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने ऐसे कुल 85 सरकारी कर्मचारियों को नौकरी से बर्खास्त किया है, जिनके आतंकियों के साथ तार जुड़े थे और यह साबित भी हुआ है। देश का दुर्भाग्य और बुनियादी विडंबना रही है कि कुछ तत्त्व ऐसे सामने आते रहे हैं, जिन्हें पाकिस्तान नाम की खुजली होती रही है।

अब पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं राजनयिक रहे मणिशंकर अय्यर ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को समाप्त करने और पाकिस्तान के साथ संवाद करने की मांग की है। मणिशंकर पुराने पाकिस्तानवादी रहे हैं। वह तो सलमान खुर्शीद के साथ पाकिस्तान मदद मांगने चले गए थे कि प्रधानमंत्री मोदी को हटाना है। वाह३! आज वह पूरी तरह अप्रासंगिक हैं और पाकिस्तान की पैरोकारी कर रहे हैं। इस जमात में डॉ. फारूक अब्दुल्ला जैसे नेता भी शामिल हैं। कुछ समाजवादी नेता सवाल करते रहे हैं कि आखिर 'ऑपरेशन सिंदूर' रोक क्यों दिया गया? सेना को उसका मकसद हासिल करने से क्यों रोका गया? बड़ी संकीर्ण सोच और दृष्टि के नेता हैं। वे नहीं जानते कि हरेक युद्ध की आर्थिक और मानवीय कीमत होती है, जो बेहद महंगी पड़ती है देश को। युद्ध को लंबा नहीं खींचा जा सकता। युद्ध के लक्ष्य सेना और राजनीतिक नेतृत्व ही जानते हैं और उन्हें ही तय करने देना चाहिए। अपनी क्षुद्र राजनीति को जेब में ही रखें। सवाल है कि आखिर पाकिस्तान में बातचीत किससे की जाए और उससे भारत को हासिल क्या होगा? क्या पाकिस्तान की जन्मजात फितरत बदल सकती है? पाकिस्तान से जैश–ए–मुहम्मद के सरगना मसूद अजहर के बयान आते रहे हैं कि उसने 1000 से अधिक आत्मघाती बॉम्बर्स तैयार कर रखे हैं। लश्कर के आतंकी दावा करते रहे हैं कि वे सेना के मुख्यालय में आते–जाते रहते हैं। ऐसे आतंकिस्तान के साथ बातचीत की जाए?

सीएम योगी ने चढ़ाई गुरु गोरखनाथ को आस्था की खिचड़ी

मकर संक्राति पर्व के अवसर पर उन्होंने शिवावतार महायोगी से लोकमंगल, सभी नागरिकों के सुखमय–समृद्ध जीवन की प्रार्थना की।

गोरखपुर,संवाददाता। महायोगी गुरु गोरखनाथ को खिचड़ी चढ़ाने के बाद मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने सभी नागरिकों, संतों और श्रद्धालुओं को मकर संक्रांति की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं।

मकर संक्रांति के पावन पर्व पर गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को ब्रह्म मुहूर्त में चार बजे गोरखनाथ मंदिर में नाथपंथ की विशिष्ट परंपरा के अनुसार महायोगी गुरु गोरखनाथ को विधि विधान से आस्था की पवित्र खिचड़ी चढ़ाई। इस अवसर पर उन्होंने शिवावतार महायोगी से लोकमंगल, सभी नागरिकों के सुखमय–समृद्धमय जीवन की प्रार्थना की।

महायोगी गुरु गोरखनाथ को खिचड़ी चढ़ाने के बाद मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने सभी नागरिकों, संतों और श्रद्धालुओं को मकर संक्रांति की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मीडियाकर्मियों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि बुधवार से ही पूरे प्रदेश में लाखों की संख्या में श्रद्धालु पवित्र धर्म स्थलों पर जाकर आस्था को नमन कर रहे हैं। गोरखपुर में बुधवार को लाखों श्रद्धालुओं ने महायोगी भगवान गोरखनाथ जी को आस्था की पवित्र खिचड़ी चढ़ाई। लाखों श्रद्धालुओं ने प्रयागराज के संगम में आस्था की पवित्र डुबकी भी लगाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सिलसिला लगातार आज गुरुवार को भी जारी है।

बाबा गोरखनाथ को खिचड़ी चढ़ाना मेरा सौभाग्य

सीएम योगी ने कहा कि आज गुरुवार को गोरखपुर में भगवान गोरखनाथ जी के प्रति अपनी आस्था व्यक्त करने के लिए लाखों की संख्या में श्रद्धालुजन पंक्ति में लगकर श्रद्धापूर्वक खिचड़ी चढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे भी प्रातः 4 बजे गोरखनाथ मंदिर की विशिष्ट पूजा संपन्न होने के उपरांत भगवान गोरखनाथ को आस्था की पवित्र खिचड़ी चढ़ाने का अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि गोरखनाथ मंदिर में

लाखों की संख्या में श्रद्धालुजन आस्था की पवित्र खिचड़ी चढ़ाने आए हुए हैं।

जगत की आत्मा हैं सूर्यदेव

मुख्यमंत्री ने कहा कि मकर संक्रांति भारत के पर्व और त्योहारों की परंपरा का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है। वास्तव में सूर्यदेव इस जगत की आत्मा हैं। जगतपिता सूर्य की उपासना का यह पर्व, हर प्रकार के शुभ और मांगलिक कार्यों के लिए प्रशस्ति तिथि माना जाता है। आज के बाद से सनातन धर्म की परंपरा में सभी मांगलिक कार्यक्रम प्रारंभ हो जाएंगे। सीएम योगी ने कहा कि सूर्य का जो अयनवृत्त है, ज्योतिषी परंपरा के अनुसार वह 12 विभिन्न भागों में विभाजित है। एक राशि से दूसरे राशि में सूर्यदेव के संक्रमण को संक्रांति कहा जाता है और जब धनु राशि से मकर राशि में भगवान सूर्य का संक्रमण होता है तो यह मकर संक्रांति कहलाता है। मकर राशि से अगले छह माह तक यानी मिथुन राशि तक सूर्य भगवान उत्तरायण रहेंगे। उत्तरायण का जो समय होता है उसमें दिन बड़े और रात्रि छोटी होती है। जीवंतता के लिए सूर्य का प्रकाश कितना महत्वपूर्ण है और भारत की ऋषि परंपरा ने इसे कितना महत्व दिया है, इसका अनुमान इव पर्व के माध्यम से लगाया जा सकता है।

अलग–अलग नाम व रूपों में मकर संक्रांति के आयोजन देश के सभी हिस्सों में

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मकर संक्रांति का पर्व एक ऐसा पर्व है जो देश के अंदर पूरब, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण सभी हिस्सों में अलग–अलग नाम और रूप में आयोजित होता है। पूरब में बिहू या तिलवा संक्रांति, पश्चिम में लोहड़ी, दक्षिण भारत में पोंगल और उत्तर भारत में खिचड़ी संक्रांति के रूप में मकर संक्रांति का आयोजन बड़ी श्रद्धाभाव के साथ किया जाता है।

सीएम योगी ने किया देश और दुनिया से आए श्रद्धालुओं का अभिनंदन

मकर संक्रांति के अवसर पर प्रदेश के अलग–अलग धर्मस्थलों पर देश और दुनिया से आए श्रद्धालुओं का अभिनंदन करते हुए मुख्यमंत्री ने सभी के प्रति मंगल में शुभकामनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा कि एक तरफ गोरखपुर में लाखों की संख्या में श्रद्धालु बाबा गोरखनाथ को आस्था की खिचड़ी अर्पित कर रहे हैं। तो, वहीं प्रयागराज में लाखों की संख्या में श्रद्धालु, कल्पवासी, पूज्य संतजन प्रयागराज की धरती पर उपस्थित होकर न केवल अपनी साधना में रत हैं अपितु भगवान बेनीमाधव, भगवान प्रयागराज और मां गंगा, मां जमुना, मां सरस्वती के सानिध्य में संगम में आस्था की पवित्र डुबकी लगा रहे हैं।

12.37 लाख संभावित डुप्लिकेट मतदाताओं की सूची मिली

आधार से होगा सत्यापन

गोरखपुर,संवाददाता। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की अनंतिम सूची का प्रकाशन कर दिया है। सूची के मुताबिक, जिले में 64815 मतदाता बढ़ गए हैं। सबसे ज्यादा भटहट ब्लॉक में 11451 और सबसे कम सरदारनगर में 789 मतदाता बढ़े हैं। अब कुल मतदाताओं की संख्या 29.88 लाख हो गई है। जिले में 1273 ग्राम पंचायतों में 1901 बीएलओ को लगाकर मतदाता सूची का सत्यापन कराया गया। जिले में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की मतदाता सूची का अब नए सिरे से सत्यापन शुरू हो गया है। चुनाव आयोग ने जिले में 12.37 लाख संभावित डुप्लिकेट मतदाताओं की सूची सौंपी है। इन मतदाताओं का सत्यापन 20 फरवरी तक करना है। अब इन मतदाताओं के घर जाकर बीएलओ आधार कार्ड के अंतिम चार नंबर से सत्यापन करेंगे। इसके लिए 1900 बीएलओ को लगाया गया है।

चुनाव आयोग ने इसके पहले नवंबर 2025 में विशेष साफ्टवेयर से परीक्षण कर 5.16 लाख संभावित डुप्लिकेट मतदाताओं की सूची जिला प्रशासन को सौंपी थी। यह सूची ब्लॉकवार तैयार की गई थी और इसमें समान नाम, पिता का नाम वाले मतदाताओं को शामिल किया गया था। दो महीने तक सत्यापन कार्य के बाद 1,51,007 डुप्लिकेट मतदाता मिले थे, जिनका नाम सूची से हटाया गया। अब चुनाव आयोग ने जिले को यूनिट मानकर नई सूची भेजी है। इसमें नाम, पिता का नाम, ग्राम पंचायत का जिक्र है जिसका जिले स्तर पर सत्यापन कराया जा रहा है।

पंचायत चुनाव में बढ़ गए हैं 64,815 मतदाता

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की अनंतिम सूची का प्रकाशन कर दिया है। सूची के मुताबिक, जिले में 64815 मतदाता बढ़ गए हैं। सबसे ज्यादा भटहट ब्लॉक में 11451 और सबसे कम सरदारनगर में 789 मतदाता बढ़े हैं। अब कुल मतदाताओं की संख्या 29.88 लाख हो गई है। जिले में 1273 ग्राम पंचायतों में 1901 बीएलओ को लगाकर मतदाता सूची का सत्यापन कराया गया। चुनाव आयोग ने 12.37 लाख संभावित डुप्लिकेट मतदाताओं की सूची दी है। यह जिले को यूनिट मानकर तैयार किया गया है। यानी एक नाम, पिता का नाम वाले मतदाताओं की पहचान करना है। इसके लिए आधार कार्ड का अंतिम चार नंबर लेकर सत्यापन किया जाएगा। बीएलओ ने कार्य शुरू कर दिया है। **जेएन मौर्या, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी**

जालसाजीः एक मकान को दो लोगों से बेचा 36 लाख रुपये की ठगी

गोरखपुर,संवाददाता। पीड़ित के अनुसार, मकान का सौदा 2 करोड़ 25 लाख रुपये में तय हुआ। एक वर्ष के भीतर बैनामा कराने की बात कही गई। इसी दौरान आरोपी ने अलग–अलग तिथियों में 17 लाख रुपये चेक के माध्यम से और 19 लाख रुपये नकद, कुल 36 लाख रुपये बतौर एडवांस ले लिए। एम्स थाना क्षेत्र में जालसाजों ने जमीन फर्जी दस्तावेजों के सहारे महादेव झारखंडी दून–1 निवासी सुजीत कुमार अग्रहरि से 36 लाख रुपये हड़प लिए। आरोप है कि शिकायत पर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद उस मकान को तीसरे व्यक्ति को बेच दिया। पुलिस ने मामले में पीड़ित की तहरीर पर दिव्यनगर कॉलोनी निवासी दिग्विजय सिंह समेत तीन के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़ित सुजीत कुमार अग्रहरि ने बताया कि वर्ष 2022 में कलक्ट्रेट कचहरी परिसर में उनकी मुलाकात दिव्यनगर कॉलोनी निवासी दिग्विजय सिंह से हुई थी। दिग्विजय सिंह दो अन्य लोगों के साथ आए थे और उन्होंने आवास विकास कॉलोनी स्थित मकान संख्या–490 को बेचने की बातचीत शुरू की। स्वामित्व के प्रमाण के रूप में जनवरी 2022 की गृहकर रसीद और बैनामा की फोटो प्रति दिखाई गई, जिससे पीड़ित को भरोसा हो गया। पीड़ित के अनुसार, मकान का सौदा 2 करोड़ 25 लाख रुपये में तय हुआ। एक वर्ष के भीतर बैनामा कराने की बात कही गई। इसी दौरान आरोपी ने अलग–अलग तिथियों में 17 लाख रुपये चेक के माध्यम से और 19 लाख रुपये नकद, कुल 36 लाख रुपये बतौर एडवांस ले लिए। जब पीड़ित ने मूल दस्तावेज, मकान की चाबी और बैनामा कराने की मांग की तो आरोपी टालमटोल करने लगा और केवल फोटो कॉपी के आधार पर बैनामा कराने का दबाव बनाने लगा।

संदेह होने पर जब उन्होंने अपने स्तर से जांच कराई तो पता चला कि उक्त मकान पहले से विवादित है और वास्तविक स्वामित्व रामादेवी का है, जिनका परिवार आज भी उस मकान पर काबिज है। यही नहीं, नगर निगम में कराई गई जांच में गृहकर की रसीद भी फर्जी पाई गई। इसके बावजूद आरोपी ने बिना नामांतरण और कब्जा लिए उसी मकान को चोरी–छिपे किसी तीसरे व्यक्ति को बेच दिया। पीड़ित का आरोप है कि लगातार दबाव बनाने पर आरोपी ने किसी तरह 10 लाख रुपये वापस किए, लेकिन शेष रकम मांगने पर मार्च 2025 में यूनिवर्सिटी चौराहे पर जान से मारने की धमकी दी गई।

बिल भुगतान के बाद भी नहीं जोड़ा कनेक्शन

गोरखपुर,संवाददाता। खोराबार में जंगल सिकरी बाईपास तिराहे पर बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा है। आरोप है कि कर्मचारियों ने जेई सुरेंद्र चंद्र पाल से सौ से ज्यादा बार मुलाकात की और जल्द से जल्द कनेक्शन देने का अनुरोध किया।

बाद में बताया गया कि कनेक्शन लेने के लिए दो लाख 45 हजार 367 रुपये जमा करने होंगे। बिजली निगम के चौरीचौरा खंड में अभियंताओं की मनमानी का बड़ा मामला सामने आया है।

बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा के लिए रुपये जमा होने के बाद भी डेढ़ महीने से बिजली कनेक्शन नहीं दिया गया। मुख्य अभियंता आशुतोष श्रीवास्तव के संज्ञान में मामला आया तो आनन–फानन कनेक्शन जारी कर दिया गया।

मुख्य अभियंता ने विद्युत वितरण मंडल प्रथम के अधीक्षण अभियंता केके राठौर को अवर अभियंता (जेई) सुरेंद्र चंद्र पाल के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। खोराबार में जंगल सिकरी बाईपास तिराहे पर बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा है।

आरोप है कि कर्मचारियों ने जेई सुरेंद्र चंद्र पाल से सौ से ज्यादा बार मुलाकात की और जल्द से जल्द कनेक्शन देने का अनुरोध किया। बाद में बताया गया कि कनेक्शन लेने के लिए दो लाख 45 हजार 367 रुपये जमा करने होंगे। 26 दिसंबर 2025 को बैंक ने रुपये जमा भी कर दिए लेकिन कनेक्शन नहीं दिया गया।

बाबा विश्वनाथ को लगा खिचड़ी आचार, चिवड़ा, मूंगफली और पट्टी का भोग, भक्तों में दिखा उत्साह

वाराणसी,संवाददाता। काशी विश्वनाथ मंदिर में मकर संक्रांति के अवसर पर मध्याह्न भोग आरती की गई। इस दौरान बाबा को खिचड़ी समेत अन्य चीजों का भोग लगाया गया। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर बाबा विश्वनाथ की विशेष मध्याह्न भोग आरती हुई। इस अवसर पर परंपरागत और सात्विक अन्न से बाबा का भोग अर्पित किया गया। मध्याह्न भोग आरती में बाबा विश्वनाथ को खिचड़ी, चिवड़ा, मूंगफली की पट्टी, पापड़ तथा अचार का भोग लगाया गया। भोग अर्पण के बाद विधि–विधान से बाबा की आरती की गई। मकर संक्रांति के इस पावन पर्व पर मंदिर परिसर में भक्तों का उत्साह देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने बाबा विश्वनाथ के दर्शन कर सुख, समृद्धि और कल्याण की कामना की।

बाबा के दर्शन– पूजन के लिए सुबह से मंदिर में भक्तों की कतार लगी रही। इस दौरान लाइन में खड़े श्रद्धालुओं ने महादेव के जयकारे लगाए, जिससे पूरा कॉरिडोर गूंज उठा।

गोरखपुर नगर निगम परिसर में बनेगा मल्टी कांप्लेक्स व मिनी आडिटोरियम, शासन की मंजूरी

34.77 करोड़ की परियोजना को मिली प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति, 35 फीसदी प्रथम किस्त जारी

संवाददाता, गोरखपुर। स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत नगर निगम परिसर में अत्याधुनिक मल्टी कांप्लेक्स और मिनी आडिटोरियम के निर्माण को शासन से मंजूरी मिल गई है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए शासनादेश भी जारी कर दिया गया है।

अनु सचिव संजय कुमार तिवारी की ओर से जारी आदेश के अनुसार परियोजना को प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रथम किस्त की धनराशि भी अवमुक्त कर दी गई है। इससे नगर निगम परिसर और शास्त्री चौक क्षेत्र के कायाकल्प का रास्ता साफ हो गया है।

योजना के अनुसार इस परियोजना पर कुल 3477.33 लाख रुपये, यानी 34 करोड़ 77 लाख 33 हजार रुपये की लागत आएगी। शासन ने प्रथम किस्त के रूप में कुल लागत का 35 प्रतिशत, यानी 1217.06 लाख रुपये (12 करोड़ 17 लाख 6 हजार रुपये) जारी कर दिए हैं। इसके बाद जल्द ही टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी। टेंडर के पश्चात शास्त्री चौक क्षेत्र में बड़े स्तर पर पुनर्विकास और ध्वस्तीकरण का कार्य आरंभ होगा।

निर्माण की जद में आएंगी 32 दुकानें

इस परियोजना के अंतर्गत शास्त्री चौक पर स्थित नगर निगम की दुकानें, मेडिकल स्टोर, ट्रांसपोर्ट कार्यालय, रेस्टोरेंट, होटल मयूर, विद्युत नगरीय वितरण खंड कार्यालय, चंद्रलोक लाज व होटल सहित कई पुरानी दुकानें ध्वस्तीकरण की जद में आएंगी। हालांकि निर्माण प्रक्रिया के दौरान विद्युत सब स्टेशन के हिस्से को पूरी तरह सुरक्षित रखा जाएगा, ताकि आवश्यक सेवाओं में कोई बाधा न आए।

इस पुनर्विकास से प्रभावित होने वाले कुल 32 नगर निगम आवंटियों को नए बनने वाले मल्टी कांप्लेक्स में प्राथमिकता के आधार पर दुकानें आवंटित की जाएंगी। इससे उनके व्यवसाय पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े और वे आधुनिक सुविधाओं के साथ अपना कार्य जारी रख सकें।

योजना के अनुसार मल्टी कांप्लेक्स को पूरी तरह व्यावसायिक और सुविधाजनक स्वरूप में विकसित किया जाएगा। इसके बेसमेंट में 28 कारों की पार्किंग की व्यवस्था होगी। भूतल पर 16 दुकानें बनाई जाएंगी, जबकि प्रथम तल पर 10 आधुनिक आफिस स्पेस विकसित किए जाएंगे। द्वितीय तल पर 261 दर्शकों की क्षमता वाला अत्याधुनिक मिनी आडिटोरियम बनेगा, जो पूरी तरह साउंड प्रूफ और वातानुकूलित होगा।

इसमें दर्शकों के लिए 261 आरामदायक कुर्सियां लगाई जाएंगी। परियोजना में पर्यावरण संरक्षण को भी विशेष महत्व दिया गया है। वर्षा जल संचयन के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली स्थापित की जाएगी और 150 किलोलीटर क्षमता का भूमिगत जल टैंक बनाया जाएगा।

पकड़ा गया मंगेतर जोड़ा

हनीमून से पहले 'हथकड़ी': फर्जी ID से लिया होटल में कमरा... प्यार की जगह किया ऐसा कांड, पुलिस पड़ गई पीछे

गोरखपुर,संवाददाता। आरोपियों ने खुद को पति–पत्नी बताकर फर्जी नाम से कमरा बुक किया था। युवक ने अपना नाम वरुण और युवती ने कुमारी संजू बताया था। आधार कार्ड की जांच में दस्तावेज भी फर्जी निकले हैं। होटल में रुककर मोबाइल फोन और नकदी चोरी करने वाले मंगेतर जोड़े को रामगढ़ताल थाना पुलिस ने बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए तीन मोबाइल फोन, नकदी और घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद की गई है। पुलिस ने दोनों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कुशीनगर जिले के दुधही निवासी विशाल सिंह और कुशीनगर के खड्डा थाना क्षेत्र के सुभाष चौक की यशस्वी सिंह के रूप में हुई। वह रामगढ़ताल थाना क्षेत्र के इंदिरानगर में रहती थी।

पुलिस के अनुसार, कुशीनगर जिले के खड्डा निवासी युवक और पड़रौना की रहने वाली युवती 14 जनवरी को शहर के आजाद चौक स्थित होटल मयूर में ठहरे थे। भोर करीब तीन बजे दोनों अचानक कमरे से बाहर निकले और रिसेप्शन पर रखे तीन मोबाइल फोन तथा कैश बॉक्स में रखे लगभग 40 हजार रुपये लेकर भाग गए।

सुबह चोरी की जानकारी होने पर होटल संचालक ने रामगढ़ताल थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सीसीटीवी फुटेज खंगाली। फुटेज में युवक–युवती बाइक से नौसड़ की ओर जाते दिखाई दिए। इसके बाद सर्विलांस टीम को सक्रिय कर आसपास के होटलों में पूछताछ शुरू की गई। इसी दौरान बाघागाड़ा के पास एक अन्य होटल में दोनों के ठहरने की जानकारी मिली। वहां पहुंची पुलिस ने दोनों को हिरासत में ले लिया। जांच में पता चला कि आरोपियों ने खुद को पति–पत्नी बताकर फर्जी नाम से कमरा लिया था। युवक ने अपना नाम वरुण कन्नौजिया और युवती ने कुमारी संजू वरुण बताया था। आधार कार्ड की जांच में दस्तावेज भी फर्जी पाए गए। पूछताछ में युवक ने कबूल किया कि वह एक फाइनेंस कंपनी में काम करता है और नशे का आदी है।

नशे की जरूरतें पूरी करने के लिए उसने अपनी मंगेतर के साथ मिलकर चोरी की साजिश रची थी। वहीं युवती ने बताया कि वह पहले शहर के इंदिरानगर में अपने चाचा के घर रहती थी और उसी पते पर उसने आधार कार्ड बनवाया था। सीओ कैंट योगेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से चोरी के मोबाइल फोन, नकदी और बाइक बरामद कर ली गई है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

गोंडा में कटरा से टिकरी के बीच रेल दोहरीकरण को मिली मंजूरी

151.24 करोड़ की आएगी लागत

गोरखपुर,संवाददाता। रेलमंत्री ने 15.35 किमी लंबी रेल लाइन के लिए 151.24 करोड़ लागत की स्वीकृति दी है। डबल लाइन होने से गोरखपुर से लखनऊ वाया अयोध्या होकर ज्यादा ट्रेनें चलाई जा सकेंगी। पूर्वोत्तर रेलवे के मनकापुर–अयोध्या खंड के कटरा–टिकरी (15.35 किमी) के बीच 151.24 करोड़ की लागत से रेल दोहरीकरण परियोजना को रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्वीकृति प्रदान की है। मनकापुर–टिकरी और कटरा–अयोध्या खंड के दोहरीकरण को पहले ही स्वीकृति दी जा चुकी है, इस प्रकार मनकापुर से अयोध्या तक दोहरी लाइन को मंजूरी मिल गई। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने बताया कि कटरा–टिकरी रेल लाइन गोंडा में है। अयोध्या–मनकापुर खंड के एक छोर पर उत्तर रेलवे का बाराबंकी–अयोध्या–जौनपुर और दूसरे छोर पर पूर्वोत्तर रेलवे का बस्ती–गोंडा रेल लाइन का दोहरीकरण हो चुका है। अयोध्या–मनकापुर दोहरीकरण परियोजना के पूरा होने पर लाइन क्षमता में वृद्धि होने से ट्रेनों के अलावा ज्यादा संख्या में मालगाड़ी चलाई जा सकेगी। गोरखपुर से अयोध्या, लखनऊ होते हुए प्रयागराज जाने वाली वंदे भारत भी इसी रूट पर चलती है।

सीएम योगी बोले– 'किसी एक खेल को गोद लें विश्वविद्यालय–महाविद्यालय', मिलेगा बढ़ावा

गोरखपुर,संवाददाता। सीएम योगी शुक्रवार को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय बास्केटबॉल (महिला) प्रतियोगिता के औपचारिक उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल की गतिविधियों को बढ़ाने से युवा नशे से दूर रहेंगे, तमाम विकृतियों से बचे रहेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों का आह्वान किया है कि वे किसी न किसी एक खेल को गोद लेकर उस खेल से जुड़ी प्रतिभाओं को तराशें। खेल के जरिये स्वस्थ प्रतिस्पर्धा कराकर अनुशासन और खेल भावना को मजबूत करने में योगदान दें। सीएम योगी शुक्रवार को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय बास्केटबॉल (महिला) प्रतियोगिता के औपचारिक उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल की गतिविधियों को बढ़ाने से युवा नशे से दूर रहेंगे, तमाम विकृतियों से बचे रहेंगे। युवा खेलेगा तो खिलेगा भी और यही युवा देश को आगे बढ़ाने में, 2047 तक विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने में योगदान देगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि खेलों के माध्यम से भी विकसित भारत बनाने के अभियान में उत्तर प्रदेश ने भरपूर प्रयास किए हैं। प्रदेश की पहली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी मेरठ में बन चुकी है। मेरठ में हर प्रकार के स्पोर्ट्स आइटम बन रहे हैं और इसे सरकार ने ओडीओपी में शामिल किया है। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में विगत 11 वर्षों से देश में एक नई खेल संस्कृति ने जन्म लिया है। 2014 के पहले खेल की गतिविधियां और प्रतियोगिताएं

सरकार के एजेंडे का हिस्सा नहीं होती थीं। तब खेल और खिलाड़ियों की उपेक्षा होती थी। अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुरूप इंफ्रास्ट्रक्चर न होने से खिलाड़ी खेल से पलायन करने को विवश होते थे, कुंठित, हताश और निराश रहते थे।

जबकि 2014 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में खेल और खिलाड़ियों का प्रोत्साहन देखते ही बनता है। पीएम मोदी ने खेलो इंडिया, फिट इंडिया और सांसद खेल प्रतियोगिता जैसे अभियानों ने स्वस्थ और सशक्त राष्ट्र की प्रेरणा दी है। गांव–गांव तक खेल प्रतिभाओं को मंच दिया है। खेल की गतिविधियां अब जीवन के महत्वपूर्ण आयाम के रूप में हैं।

स्वस्थ शरीर से ही प्राप्त होंगे जीवन के सभी साधन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की प्राचीन परंपरा ने खेलकूद को सदैव महत्व दिया है। भारत की ऋषि परंपरा के उद्घोष 'शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्' का उद्धरण देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा जीवन के जितने भी साधन हैं, उन्हें स्वस्थ शरीर से ही प्राप्त किया जा सकता है। शरीर स्वस्थ रखने के लिए खेलकूद की गतिविधियों से जुड़ना होगा। नियम, संयम और अनुशासन से शरीर पर ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर से ही समाज और राष्ट्र को द□ढ बनाने के लिए प्रेरणा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की की खेलकूद को तमाम परिवारों ने जीवन का हिस्सा बनाया है। उन्होंने कहा कि कई राज्यों में बेटे–बेटी में भेदभाव नहीं है। आज बच्चा (बेटा या बेटी) जिस खेल में रुचि दिखाता है तो अभिभावक उसे उसमें प्रोत्साहित करते हैं, उसके अनुरूप संसाधन की व्यवस्था करते हैं।

यूपी में बड़े पैमाने पर बढ़ाया खेल इंफ्रास्ट्रक्चर को

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर खेल इंफ्रास्ट्रक्चर को आगे बढ़ाया गया है। प्रदेश के हर ग्राम पंचायत में खेल मैदान व ओपन जिम, ब्लॉक स्तर पर मिनी स्टेडियम, जिला स्तर पर स्टेडियम बनाने के कार्य युद्धस्तर पर आगे बढ़े हैं। खेल की गतिविधियां अनौपचारिक न रहें, बल्कि दिनचर्या का हिस्सा बनें, इसके लिए सरकार ने 96000 से अधिक युवक मंगल दलों और महिला मंगल दलों को स्पोर्ट्स किट वितरित किए हैं।

500 से अधिक खिलाड़ियों को दी सरकारी नौकरी

खिलाड़ियों के प्रोत्साहन को सरकार की तत्परता का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि ओलंपिक में प्रदेश के प्रतिभागी खिलाड़ी को सरकार 10 लाख रुपये देती है। ओलंपिक एकल स्पर्धा में स्वर्ण पदक विजेता को 6 करोड़ रुपये का पुरस्कार और क्लास वन की जॉब देने की व्यवस्था बनाई गई है। ओलंपिक की टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले यूपी के खिलाड़ी को 3 करोड़, एकल स्पर्धा में रजत पदक विजेता को 3 करोड़ रुपये का पुरस्कार दिया जाता है। ऐसे ही ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता सहित एशियाड, कॉमनवेल्थ गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप के पदक विजेताओं को भी नकद पुरस्कार दिए जाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार अब तक 500 से अधिक पदक विजेता खिलाड़ियों को सीधे सरकारी नौकरी दे चुकी है। खिलाड़ियों को डिप्टी एसपी, तहसीलदार और क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी के पद पर भी नियुक्त किया गया है।

पीएम मोदी की खेलों में अपार रुचि

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी की खेलों में अपार रुचि है। प्रधानमंत्री स्वयं विभिन्न खेलों में देश की विजेता टीमों के खिलाड़ियों के साथ बैठते हैं, प्रतियोगिता से पहले भी उनका हौसला बढ़ाते हैं। पीएम मोदी भारतीय टीमों को हर प्रकार का प्रोत्साहन देते हैं।

कॉमनवेल्थ और ओलंपिक के अनुरूप करें तैयारी

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2030 का कॉमनवेल्थ गेम्स गुजरात में होगा। हर राज्य और खिलाड़ियों को इसके अनुरूप खुद को तैयार करना होगा। उन्होंने कहा कि भारत ने 2036 के ओलंपिक के लिए भी आवेदन कर रहा है। कॉमनवेल्थ और ओलंपिक में अधिक पदक जीतने की तैयारी अभी से ही करनी होगी।

गुरु गोरक्षनाथ की धरा पर किया खिलाड़ियों का अभिनंदन

अपने संबोधन में सीएम योगी ने प्रदेश सहित देश के 14 राज्यों से आईं बास्केटबाल की महिला खिलाड़ियों का गुरु गोरखनाथ की पावन साधनास्थली पर स्वागत और अभिनंदन किया। उन्होंने गोरखपुर को आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत से समृद्ध धरा बताने के साथ आजादी के आंदोलन में चौरीचौरा की घटना, वैदिक साहित्य के विश्व में सबसे बड़े प्रकाशन केंद्र गीता प्रेस की महत्ता बताई। साथ ही अमर सेनानी पंडित रामप्रसाद बिस्मिल, बंधु सिंह से इस जिले के किसी न किसी रूप में जुड़ाव का उल्लेख करते हुए गोरखपुर को महान उपन्यासकार मुंशी प्रेमचंद की कर्मभूमि बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर अनेक विभूतियों की पावन धरा है। मंचीय कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने गोरखपुर विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद की खेल विवरणिका का विमोचन।

मतदाता सूची में वोटरों का पता गलत होना सामान्य बात...

यूपी के राज्य निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची में वोटरों का गलत पता दर्ज होने पर जवाब दिया है। आयोग ने कहा कि यह एसआईआर की वजह से नहीं है। दशकों से यह स्थिति बनी हुई है।

लखनऊ,संवाददाता। यूपी के राज्य निर्वाचन आयोग ने समाजवादी पार्टी की ओर से उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए कहा कि मतदाता सूची में वोटरों का पता गलत होना एक सामान्य बात है और यह विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कारण बिल्कुल नहीं है। आयोग ने बीएलओ को मतदाताओं के पते में सुधार का निर्देश दिया है।

आयोग ने एक्स पर जवाब देते हुए कहा कि वोटर लिस्ट में विभिन्न असंबंधित व्यक्तियों के नामों के सामने मकान नंबर एक जैसा आ जाना एक बहुत आम सी गलती है जो सारी विधानसभाओं के बहुत सारे मतदान केंद्रों कि वोटरलिस्टों में विद्यमान है। यह असंतोषजनक स्थिति एसआईआर की वजह से उत्पन्न नहीं हुई है क्योंकि एसआईआर के गणना चरण में वोटर लिस्ट में वोटर के किसी भी विवरण को संशोधित नहीं किया गया है बल्कि यह स्थिति तो दशकों से चली रही है।

ऐसी गलतियां कई कारणों से होती हैं जिनमें एक प्रमुख कारण यह है कि

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा –

सारे गांवों में किसी भी मकान का और शहरों में बहुत से मकानों का कोई नंबर नहीं होता इसलिए गांवों में वोटरलिस्ट में उस वोटर के नाम के सामने एक नोशनल (काल्पनिक नंबर) दिया जाता है इसलिए शहरों में बहुत से वोटरों के नाम के सामने मकान नंबर के स्थान पर 0 (जीरो) अथवा 00 (डबल जीरो) लिखा जाना एक आम चलन है। शहरों में वार्ड वार टैक्स कलेक्शन की दृष्टि से वार्ड के मकानों को एक रजिस्टर में नोशनल नंबर दिया जाता है। रामपुर जिले में मिलक नगर पालिका में ऐसा ही एक मामला सामने आया जब दो विभिन्न परिवारों का मकान नंबर विधानसभा की वोटर लिस्ट में एक जैसा पाया गया जिसे एक समाचार पत्र ने प्रमुखता से छापा।

दोनों परिवार नगरपालिका के अलग–अलग वार्डों में रहते हैं परंतु परिवारों के वॉर्ड रजिस्टरों में लिखे नोशनल मकान नंबर एक जैसे हैं। विधानसभा की वोटर लिस्ट में दोनों परिवारों के वोट एक ही बूथ पर दर्ज है। उस भाग का केवल एक ही अनुभाग बना था और मकान नंबर के साथ वार्ड नंबर अंकित नहीं था इसलिए दोनों परिवारों के मकान नंबर एक समान दिख रहे हैं।

वोटर लिस्ट के भागों को सही प्रकार से पर्याप्त संख्या में सही अनुभागों में ना बांटा जाना इस विसंगति का एक कारण बना।

अब इस संतोषजनक स्थिति को सुधारने के लिए सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को निर्देशित कर दिया गया है कि इस समस्या को जड़ से समाप्त करने के लिए सभी पोलिंग स्टेशनों के मतदान क्षेत्रों में पर्याप्त संख्या में वेल डिमार्केटेड अनुभाग बनाये जाएं जिससे न केवल बीएलओ को मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण के समय और चुनाव के समय मतदाता पर्ची बांटने के लिए वोटरों को ढूंढने में आसानी होगी बल्कि असंबंधित लोगों के मकान नंबर वोटर लिस्ट में एक समान आने की समस्या से भी कुछ हद तक निजात मिलेगी। डेटाबेस में मकान नंबर दर्ज करते समय उसके साथ संबंधित गली मोहल्ले अथवा सड़क का नाम भी दर्ज किया जाए जिससे मकान नंबर पढ़ते ही यह स्पष्ट हो जाए कि यह मकान किस इलाके में पड़ता है।

बीएलओ सुपरवाइजरों को यह जिम्मेदारी दी गई है कि वो अपने क्षेत्र के सारे बूथों की वोटर लिस्टों को ध्यानपूर्वक पढ़कर इस तरह की त्रुटियों को चिह्नित कर समय रहते उनको दुरुस्त करा लें जिससे अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित हो तो उसमें ऐसी कोई गलती न रहे।

मुरादाबाद: ठंड से बचने के लिए कमरे में जलाई अंगीठी

दम घुटने से बेटा–बेटी की मौत मां–बाप अस्पताल में भर्ती

मुरादाबाद,संवाददाता। जिले के छजलैट गांव में दम घुटने से भाई–बहन की मौत हो गई। गंभीर हालत में मां–पिता और तीसरे बच्चे को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। घटना के बाद से गांव में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मुरादाबाद जिले के छजलैट गांव में सर्दी से बचाव के लिए जलाई गई अंगीठी दो मासूमों के लिए काल बन गई। बंद कमरे में अंगीठी जलाकर सो रहे परिवार के दो बच्चों की दम घुटने से मौत हो गई जबकि तीसरे बच्चे समेत माता–पिता की हालत बिगड़ गई। हादसे के बाद गांव में कोहराम मच गया।

रमपुरा गांव निवासी जावेद उर्फ पप्पू (35) की मुरादाबाद–हरिद्वार मार्ग पर छजलैट के पास पेट्रोल पंप के समीप चाय की कैंटीन है। घर कैंटीन से कुछ दूरी पर ही है। बृहस्पतिवार रात करीब 11 बजे जावेद पत्नी शाहिस्ता (32) और तीन बच्चों शिफान (6), आहिल (4) और आयरा (3) के साथ कमरे में अंगीठी जलाकर सो गया।

रात में अंगीठी से निकली जहरीली गैस के कारण कमरे में घुटन बढ़ती चली गई। शुक्रवार सुबह करीब नौ बजे तक जब परिवार के लोग नहीं जागे तो बराबर के कमरे में सो रहे भतीजे आमिर खान और साले सलाउद्दीन ने दरवाजा खटखटाया। काफी देर बाद जावेद ने किसी तरह दरवाजा खोला, वह भी बेहोशी की हालत में था।

बदायूं बवाल: हिन्दू संगठनों ने थाने का किया घेराव

हनुमान चालीसा का पाठ शुरू, लोगों को मनाने में जुटा प्रशासन

बदायूं,संवाददाता। बदायूं के इस्लामनगर में प्रभात फेरी रोके जाने से नाराज बजरंग दल समेत हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने थाने का घेराव कर धरना दिया। पुलिस पर रास्ता विवादित बताने व लाठीचार्ज का आरोप लगाते हुए हनुमान चालीसा पाठ किया। बदायूं के इस्लामनगर थाना क्षेत्र के गांव ब्योर कासिमाबाद में पुलिस ने शुक्रवार की सुबह प्रभात फेरी को रोक दिया था। इस सूचना पर दोपहर करीब एक बजे बजरंग दल समेत कई हिंदू संगठन गांव पहुंचे और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। इसी के साथ थाने का घेराव करते हुए धरने पर बैठ गए।

संगठन के पदाधिकारी ने हनुमान चालीसा का पाठ शुरू कर दिया है। उनकी मांग है कि पुलिस ने जान बूझकर रास्ते को विवादित बता दिया था। जबकि ग्रामीणों का कहना है कि सपा सरकार में साल 2012 में मात्र दो साल रास्ता खराब होने की वजह से इस रूट से प्रभात फेरी नहीं निकाली जा सकी थी।

रास्ता ठीक होने के बाद पुराने रास्ते पर ही प्रभात फेरी निकल जा रही थी। अब पुलिस अपने ही जाल में फंसी हुई नजर आ रही है। ग्रामीणों ने थानाध्यक्ष नरेश कुमार सिंह व सीओ संजीव कुमार पर महिलाओं पर लाठी चार्ज करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि दूसरे समुदाय के लोगों के इशारे पर पुलिस ने लाठी चार्ज किया है।

यह है मामला

यूपी के बदायूं जिले के इस्लामनगर थाना क्षेत्र के ग्राम ब्योर कासिमाबाद में शुक्रवार की भोर माघ माह में निकाली जा रही प्रभात फेरी को पुलिस ने विवादित रास्ता बताते हुए रोक दिया। जबकि यह प्रभात फेरी पिछले 50 वर्षों से इसी रास्ते से निकलते आ रही है। बात इतनी बढ़ गई कि हालात बेकाबू होते देख पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया।

आरोप है कि लाठीचार्ज में कई ग्रामीण घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। कल दूसरे समुदाय के लोगों ने प्रभात फेरी को रोकने का प्रयास किया था और पुलिस से मामले की शिकायत की थी।

दूसरे समुदाय के लोगों की शिकायत के बाद शुक्रवार सुबह पांच बजे इस्लामनगर थाने की पुलिस गांव ब्योर पहुंची। इस बीच लोग प्रभात फेरी निकालने पर अड़ गए। लोगों के गुस्से को देखकर बिल्सी, उघैती पुलिस को भी मौके पर बुला लिया गया। पीएसी बटालियन भी बुला ली गई।

देखते ही देखते एसडीएम बिसौली राशि कृष्णा, सीओ बिल्सी मौके पर पहुंच गए। करीब आठ बजे पुलिस ने भक्तों पर लाठी चार्ज कर दिया। जिसके बाद भगदड़ मच गई। पुलिस के लाठीचार्ज से महिलाएं व युवक घायल हो गए।

यूपी के इस जिले में बनेगा पूर्वांचल का पहला स्वदेशी ग्रामीण माल

आधुनिक सुविधाओं के साथ लोग चखेंगे देसी खाने का स्वाद

हजौली,संवाददाता। ग्रामीण सरस हाट को बनाने में वर्ष 2006 में वर्ल्ड बैंक ने डीआरडीए के माध्यम से मदद की थी। लाखों रुपये की आर्थिक मदद मिलने के बाद यहां 12•12 के आकार में 18 दुकानों को तैयार कराया गया था ताकि स्वदेशी उत्पाद को बढ़ावा मिल सके और ग्राम आधारित अर्थव्यवस्था को नई दिशा प्रदान किया जा सके।

इस हाट के निर्माण का उद्देश्य ग्रामीणों को उनके ही क्षेत्र में अपने उत्पाद बेचकर आत्मनिर्भर बनाना था। विभागीय उपेक्षा के कारण यह योजना अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में विफल रही। बाजार गुलजार होने के बजाय परिसर में गंदगी व झाड़–झंखाड़ में तब्दील हो गया। इसका संचालन ग्राम पंचायतों को सौंपा गया था लेकिन इसको मुकाम नहीं मिल सका।

अब ग्राम पंचायत की बजाय ब्लॉक को सौंपने की तैयारी

अधिकारियों के मुताबिक स्वदेशी ग्रामीण मॉल को ग्राम पंचायत को सौंपने की बजाय ब्लॉक को सौंपा जाएगा ताकि इसका संचालन व रख–रखाव बेहतर हो सके। हालांकि अब उम्मीद जग गई है जहां स्वदेशी ग्रामीण मॉल की परिकल्पना के अंतर्गत अत्याधुनिक एवं नागरिक सुविधाओं का विकास किया जाएगा।

यहां आकर्षक पाथवे व सुगम आवागमन व्यवस्था, शुद्ध पेयजल के लिए आरओ प्लांट, सुदृढ़ एवं ऊर्जा–सक्षम प्रकाश व्यवस्था, स्वदेशी व्यंजनों की बिक्री के लिए आधुनिक फूड कोर्ट, शेड एवं ओपन डिस्प्ले जोन, सामुदायिक शौचालय, रंगाईदृपुताई एवं सौंदर्यीकरण का कार्य किया जाएगा। यहां स्वयं सहायता समूहों की दीदियों द्वारा निर्मित उत्पाद, स्थानीय हस्तशिल्प, कृषि एवं ग्रामोद्योग आधारित वस्तुएं का प्रदर्शन सहित विक्रय किया जाएगा, जिससे वोकल फार लोकल की अवधारणा को मजबूती मिलेगी। महिला उद्यमिता व सशक्तीकरण को केंद्र में रखते हुए यह मॉल ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूत रीढ़ के रूप में उभरेगा। दुकानों का निष्पक्ष एवं पारदर्शी आवंटन, किराये के माध्यम से आय भी सुनिश्चित होगी।

बलिया के हजौली गांव में पूर्वांचल का पहला स्वदेशी ग्रामीण मॉल बनाया जा रहा है। लगभग 40 लाख रुपये की लागत से निष्क्रिय पड़े ग्रामीण सरस हाट को आधुनिक र ...

प्रयागराज माघ मेला में चौधरी राकेश टिकैट का गंभीर आरोप कहा– किसानों को बांटने की साजिश में लगी सरकार

प्रयागराज माघ मेला में भारतीय किसान यूनियन के चिंतन शिविर में राकेश टिकैत ने सरकार पर किसानों को बांटने की साजिश का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि किसानो ...

संवाददाता, प्रयागराज। माघ मेला में भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट के चल रहे राष्ट्रीय चिंतन शिविर में शुक्रवार को तमाम मुद्दे उठाए गए। इस पर संगठन राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैट समेत अन्य पदाधिकारियों ने विचार–विमर्श किया। संगठन के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने केंद्र सरकार को घेरते हुए कहा कि किसानों के खेत में नुकसान नहीं है, बल्कि दिल्ली की कलम बेईमान है। जमीन महंगी है और फसल सस्ती। फसल का सही दाम नहीं मिलने के कारण किसान अपनी जमीन बेचकर गुजारा करने को मजबूर हैं। एमएसपी के नाम पर सरकार सिर्फ सपोर्ट प्राइस दे रही है, बेनिफिट प्राइस नहीं।

उन्होंने कहा कि सरकार किसानों को भी तोड़कर अलग–अलग बांट रही है। यही वजह है कि देश में पांच हजार से अधिक किसान संगठन खड़े हो गए हैं। यह भी एक साजिश है। यहां तो सिर्फ व्यापारियों की सरकार है, जिसे किसी का लिहाज नहीं है। किसान देश की राजधानी में धरना देते रहे, लेकिन सरकार ने उनकी एक नहीं सुनी। टिकैत ने यह भी आरोप लगाया कि ईडी तो सरकार के लिए दारोगा बन गई है। उसी के इशारे पर काम कर रही है।

प्रदेश में 16 दिन के बाद खुलेंगे स्कूल

खत्म हुए शीतकालीन अवकाश, बदले समय पर चल रहे माध्यमिक विद्यालय

लखनऊ,संवाददाता। यूपी के बेसिक स्कूल 16 दिनों के बाद शुक्रवार से एक बार फिर से खुलने जा रहे हैं। माध्यमिक स्कूल बदले समय से संचालित हो रहे हैं।

पूरे प्रदेश के बेसिक स्कूल शुक्रवार से खुलेंगे। बेसिक स्कूलों के कैलेंडर के अनुसार 31 दिसंबर से 14 जनवरी तक यहां अवकाश था। 15 जनवरी को मकर संक्रांति का सार्वजनिक अवकाश होने के बाद 16 जनवरी से स्कूल खोले जाएंगे। अब इन स्कूलों में जरूरत पड़ने अवकाश जिलाधिकारियों द्वारा स्थानीय स्तर पर ही घोषित किया जा सकेगा। बेसिक शिक्षा अधिकारी भी मौसम को देखते हुए अवकाश घोषित कर सकते हैं। प्रदेश के निजी स्कूल अपने कैलेंडर के अनुसार पहले ही खुल चुके हैं। स्कूल खुलने के साथ ही 24 जनवरी से विद्यालयों में सत्रीय परीक्षाएं शुरू होंगी।

बदले समय से चल रहे हैं माध्यमिक विद्यालय

यूपी में माध्यमिक विद्यालय बदले हुए समय पर चल रहे हैं। इन विद्यालयों का समय सुबह दस बजे से तीन बजे तक का है। प्रदेश के कई जिलों में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की प्रीबोर्ड परीक्षाएं चल रही हैं, कुछ जिलों में यह परीक्षाएं खत्म भी हो गई हैं। प्रीबोर्ड परीक्षाओं के बाद प्रयोगात्मक परीक्षाएं शुरू होनी हैं।

मकर संक्रांति पर संगम में उमड़ी आस्था

56 लाख श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

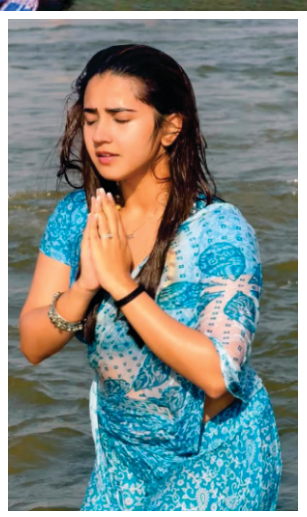

प्रयागराज,संवाददाता। माघ मेला 2026 के दूसरे प्रमुख स्नान पर्व मकर संक्रांति पर आज संगम तट पर श्रद्धालुओं और कल्पवासियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। यह आस्था का विराट समागम है, जहां साधु–संत, कल्पवासी और आम श्रद्धालु एक साथ संगम की पवित्र धारा में डुबकी लगा रहे हैं।

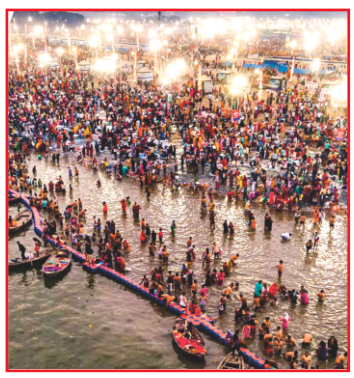

संगम तट पर 36 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। यह अनुमान है कि मकर संक्रांति का शुभ मुहूर्त दिन भर चलने के कारण शाम तक यह संख्या एक करोड़ पार कर सकती है। मेला प्रशासन ने इस बार दो से ढाई करोड़ श्रद्धालुओं के स्नान करने का अनुमान जताया है, जिसके लिए 24 स्नान घाटों पर विशेष इंतजाम किए गए हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए एक हाईटेक रिस्पांस प्लान लागू किया गया है, जिसमें आधुनिक ट्रैफिक कंट्रोल रूम की स्थापना भी शामिल है। नदी की धारा में आए बदलावों को देखते हुए घाटों में आंशिक संशोधन भी किए गए हैं।

जेल में खेल: 10 टेंडर...

दर्जनों कंपनियां, मेहरबानी सिर्फ एक पर

बड़ी अनियमितता की आशंका, जांच के आदेश

लखनऊ,संवाददाता। जेल में खाद्य तेल और मसालों के टेंडर जारी करने के मामले में अनियमितता की आशंका को देखते हुए जांच के आदेश दिए गए हैं। वहीं, डीजी ने जानकारी न होने की बात कही है। जेल में खाद्य तेल और मसालों के टेंडरों में बड़ा खेल किया गया। चहेती कंपनी को दस टेंडर आवंटित कर दिए गए। पूरी टेंडर प्रक्रिया सवालों के घेरे में हैं। मामले में बड़ी अनियमितता की आशंका है। शासन ने जांच के आदेश दिए हैं। कारागार विभाग ने पिछले साल खाद्य पदार्थ मसाले व तेल के 9 व एक विद्युत यांत्रिकी समेत कुल दस टेंडर निकाले थे। सभी टेंडर की टेक्निकल बिड में शिव शक्ति इंटरप्राइजेज, एमजी ऑर्गेनाइजेशन और राजमाता इंफ्राकॉन प्रा. लि. कंपनियां क्वालीफाई हुईं। उसके बाद फाइनेंशियल बिड में मेसर्स शिव शक्ति इंटरप्राइजेज क्वालीफाई हुई।

राशन वितरण में बदलावः यूपी के इन जिलों में फरवरी से कोटा पर गेहूं मिलेगा ज्यादा, चावल होगा कम

बरेली,संवाददाता। बरेली मंडल के राशनकार्ड धारकों के लिए अच्छी खबर है। अगले माह से कोटा पर गेहूं ज्यादा मिलेगा और चावन कम होगा। खाद्य आदतों के अनुसार राशन वितरण के स्केल में बदलाव किया गया है। खाद्य तथा रसद विभाग ने प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों की खाद्य आदतों के अनुसार राशन वितरण के स्केल में बदलाव कर दिया है। अगले माह फरवरी से अंत्योदय कार्ड धारकों को 21 किलो गेहूं, 14 किलो चावल, पात्र गृहस्थी को प्रति यूनिट तीन किलो गेहूं, दो किलो चावल दिया जाएगा। वितरण सीमा में कोई बदलाव नहीं है। बदलाव के तहत बरेली मंडल के चारों जिलों में अब कोटा पर गेहूं ज्यादा मिलेगा।

बरेली के जिला पूर्ति अधिकारी मनीष कुमार सिंह के मुताबिक अपर आयुक्त के आदेश के अनुसार, फरवरी 2026 से अंत्योदय और पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को मिलने वाले गेहूं और चावल की मात्रा में मंडलवार परिवर्तन किया जा रहा है। अलीगढ़, आगरा, बरेली, मेरठ, मुरादाबाद और सहारनपुर जैसे मंडलों में गेहूं की खपत अधिक है, अब अंत्योदय कार्डधारकों को 21 किग्रा गेहूं और 14 किग्रा चावल दिया जाएगा। वर्तमान में 21 किलो चावल और 14 किलो गेहूं मिल रहा है। जबकि पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को प्रति यूनिट तीन किग्रा गेहूं और दो किग्रा चावल प्राप्त होगा। वर्तमान में प्रति कार्ड दो किलो गेहूं और तीन किलो चावल मिल रहा है।

उन्होंने बताया कि मोटे अनाज की उपलब्धता पर गेहूं या चावल की मात्रा में समायोजित किया जाएगा। अभी बाजरा वितरण केंद्रों पर शुरू हो गया है। कोटेदारों को मानक के अनुसार वितरण व्यवस्था कराने को कहा गया है ताकि नए नियम के तहत वितरण शुरू होने पर कोई अड़चन या आपत्ति न रहे।

अन्य मंडलों में चावल ज्यादा और गेहूं मिलेगा कम

इसके विपरीत, आजमगढ़, गोरखपुर, मिर्जापुर और वाराणसी जैसे धान प्रधान मंडलों में चावल की मात्रा बढ़ाई गई है। अंत्योदय कार्डधारकों को अब 10 किलो गेहूं और 25 किलो चावल, पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को प्रति यूनिट एक किलो गेहूं और चार किलो चावल बांटा जाएगा। हालांकि, अयोध्या, कानपुर और लखनऊ सहित कई अन्य मंडलों के वितरण स्केल में कोई बदलाव नहीं किया गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि वितरण की कुल सीमा पात्र गृहस्थी के लिए 5 किग्रा प्रति यूनिट और अंत्योदय के लिए 35 किग्रा प्रति कार्ड ही रहेगी।

संभल हिंसाः तत्कालीन सीओ अनुज चौधरी समेत अन्य के खिलाफ केस दर्ज नहीं

हाईकोर्ट जाने की तैयारी में पुलिस

संभल,संवाददाता। संभल हिंसा मामले में तत्कालीन सीओ अनुज चौधरी, कोतवाली प्रभारी अनुज तोमर सहित 22 पुलिसकर्मियों के खिलाफ कोर्ट के आदेश के बावजूद रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई है। संभल पुलिस मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती देने की तैयारी कर रही है। एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई का कहना है कि बवाल के दौरान पुलिस ने फायरिंग नहीं की और घायल युवक को लगी गोली पुलिस की नहीं थी। संभल के तत्कालीन सीओ अनुज चौधरी व तत्कालीन कोतवाली प्रभारी अनुज तोमर समेत 22 पुलिसकर्मियों के खिलाफ कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज नहीं हो सकी है। बल्कि संभल पुलिस मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील दाखिल करने की तैयारी में जुटी है। एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई का कहना है कि हाईकोर्ट में अपील कर आदेश को निरस्त कराने की मांग करेंगे। क्योंकि पुलिस की ओर से बवाल में गोली ही नहीं चलाई गई थी। युवक को जो गोली लगी है, वह भी पुलिस की नहीं है। युवक के पिता ने निराधार आरोप लगाए हैं। संभल के तत्कालीन सीओ अनुज चौधरी का प्रमोशन हो चुका है और वह वर्तमान में फिरोजाबाद में एएसपी के पद पर तैनात हैं। संभल कोतवाली के तत्कालीन प्रभारी अनुज तोमर की तैनाती चंदौसी कोतवाली में है। अनुज चौधरी व अनुज तोमर को खग्गू सराय निवासी यामीन ने नामजद किया है। 15 से 20 अज्ञात पुलिसकर्मी अर्जी में बताए हैं। इन सभी पर बवाल में गोली चलाने का आरोप है।

यामीन का यह भी आरोप है कि उसके बेटे आलम को पुलिसवालों की तीन गोलियां लगी हैं। बवाल में बेटे को आरोपी बनाया गया है, जबकि आलम ठेले पर बिस्किट बेचने का काम करता है और वह 24 नवंबर की सुबह भी बिस्किट बेचने के लिए ही निकला था। इस दौरान ही पुलिस ने गोली चलाई। जिसमें बेटा घायल हुआ। छिपकर उपचार कराया, तब कहीं जाकर जान बची। हालांकि यामीन के सभी आरोप डीएम और एसपी ने नकार दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि बवाल 7:45 बजे के भीड़ ने कर दिया था।

बरसाना में 24 फरवरी को लद्ठ और 25 को लठामार होली

मथुरा,संवाददाता। विश्व प्रसिद्ध बरसाना की होली का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। आयोजकों और प्रशासन ने इस भव्य आयोजन की तैयारियां शुरू कर दी हैं। विश्व प्रसिद्ध बरसाना की होली का कार्यक्रम तय हो चुका है। 24 फरवरी से 26 फरवरी तक बरसाना और नंदगांव राधा–कृष्ण प्रेम की जीवंत लीला के साक्षी बनेंगे। श्रीजी मंदिर में लड्डू होली से उत्सव का शुभारंभ होगा। अगले दिन राधारानी के आंगन में लाठियों की गूंज उठेगी और तीसरे दिन नंदगांव में प्रेम रस की लीला होगी। देश–विदेश के श्रद्धालु इस दिव्य उत्सव में शामिल होंगे।

बरसाना की होली केवल तीन दिनों का पर्व नहीं, बल्कि चालीस दिवसीय परंपरा है। वसंत पंचमी पर श्रीजी मंदिर में होली का डांडा गढ़ते ही उत्सव शुरू हो जाता है। मंदिर में समाज गायन फाल्गुन पूर्णिमा तक चलता है और महाशिवरात्रि को लठामार होली की प्रथम चौपाई निकलते ही राधारानी के आंगन की लीला का विधिवत शुभारंभ हो जाता है। बरसाना–नंदगांव की लठामार होली कोई साधारण उत्सव नहीं, बल्कि विक्रम संवत 1569 से चली आ रही भक्ति और प्रेम की परंपरा है। रसिक संत नारायण भट्ट द्वारा शुरू की गई यह लीला आज भी उसी उल्लास और मर्यादा के साथ निभाई जाती है।

कार्यक्रम के अनुसार, 24 फरवरी को लड्डू होली के साथ फाल्गुन महोत्सव अपने मुख्य चरण में प्रवेश करेगा। प्रसाद हाथों में पड़ते ही फाग की तान गूंज उठेगी और पूरा धाम गुलाल में रंग जाएगा। 25 फरवरी को बरसाना की लठामार होली होगी। रंगीली गली में हुरियारिन घूंघट ओढ़े लाठियां थामेंगी। नंदगांव के हुरियारे ढाल सजाकर राधा के आंगन में पहुंचेंगे। पहली लाठी की थाप के साथ जय राधे का उद्घोष गूंजेगा। 26 फरवरी को यही लीला नंदगांव में सजेगी। बरसाने की गोपियां नंदगांव की गलियों में फाग गीतों, ढोल–नगाड़ों की धुन पर थिरकेंगी। उधर, श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और दर्शन व्यवस्था को लेकर मंदिर सेवायत, आयोजन समितियां और प्रशासन तैयारियों में जुट गए हैं।

अपकमिंग फिल्म टाक्सिक इन दिनों चर्चा में है. फिल्म से अब तक चार हसीनाओं के लुक सामने आ चुके है. वहीं अब एक और एक्ट्रेस फर्स्ट लुक सामने आया है।

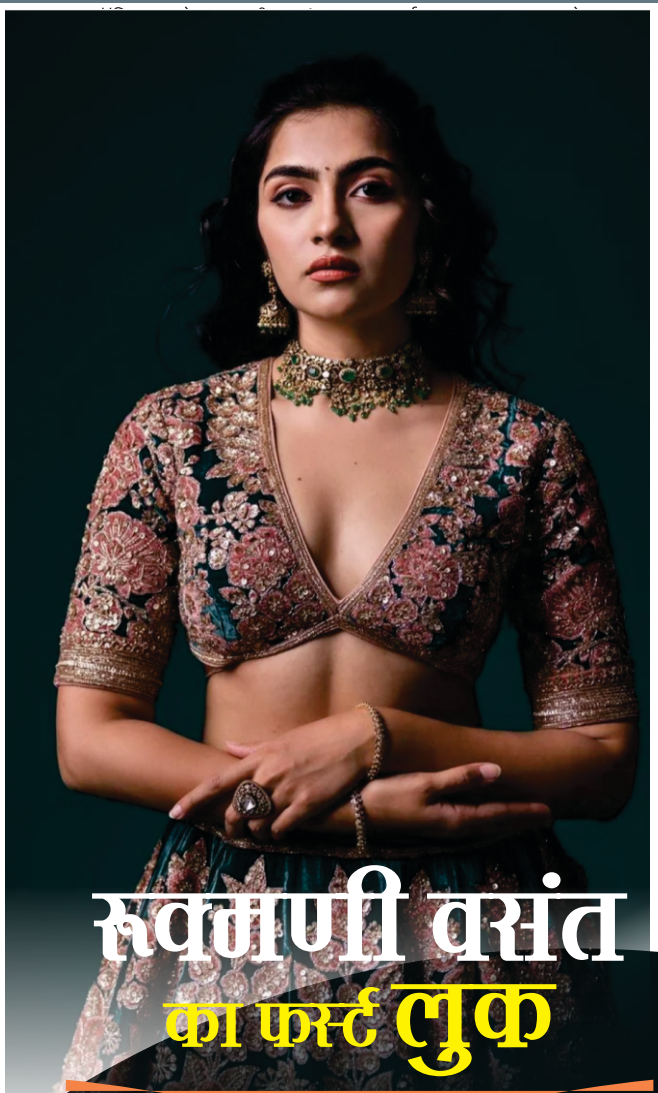

रुक्मणी वसंत का फर्स्ट लुक

एंटरटेनमेंट डेस्क । 'केजीएफ' स्टार यश की अपकमिंग फिल्म 'टॉक्सिक' से लगातार सुर्खियों में हैं. फिल्म से लगातार कास्ट के फर्स्ट लुक सामने आ रहे हैं. ताज्जुब की बात ये है कि फिल्म में मेल एक्टर के नाम पर अब तक सिर्फ यश का ही नाम और लुक सामने आया है. लेकिन फीमेल एक्ट्रेस में लगातार नए–नए नाम शामिल होते जा रहे हैं और उनके लुक सामने आ रहे हैं. कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और नयनतारा के बाद अब एक्ट्रेस रुक्मणी वसंत का 'टॉक्सिक' से लुक सामने आया है.

रुक्मणी वसंत फर्स्ट लुक आया सामने

बाकी एक्ट्रेसेस की तरह, रुक्मणी वसंत के लुक को भी यश ने इंट्रोड्यूस कराया है. अपने इंस्टाग्राम पर रुक्मणी वसंत के फर्स्ट लुक को शेयर करते हुए यश ने कैप्शन में लिखा, 'मेलिसा के किरदार में रुक्मणी वसंत का टॉक्सिक– फेयरी टेल फॉर ग्रोन–अप्स में स्वागत है.' अपने पहले लुक में रुक्मणी वसंत ग्लैमरस अंदाज में इंटेस लुक में नजर आ रही हैं. स्टाइलिश हेयरस्टाइल और मॉडर्न ड्रेस में रुक्मणी हाथों में क्लच पर्स पकड़े नजर आ रही हैं. उनके इधर–उधर और लोग नजर आ रहे हैं. फिल्म में एक और हसीना का लुक आने के बाद दर्शक काफी एक्साइटेड नजर आ रहे हैं।

दा राजा साहब

एंटरटेनमेंट डेस्क । प्रभास की साल 2026 में पहली फिल्म 'द राजा साब' रिलीज होने वाली है. इस फिल्म में प्रभास एक दम नए अवतार में नजर आएंगे. 'द राजा साब' को लेकर फैंस में जबरदस्त एक्साइटमेंट हैं और हर कोई इस मच अवेटेड फिल्म के बड़े पर्दे पर रिलीज होने का इंतजार कर रहा है. चलिए यहां जानते हैं प्रभास की 'द राजा साब' कब सिनेमाघरों में दस्तक देगी? साथ ही ये भी जानेंगे कि इसका रन टाइम कितना है और इसे सीबीएफसी से क्या सर्टिफिकेशन मिला है?

'द राजा साब' कब होगी रिलीज?

बता दें कि 'द राजा साहब' एक पैन इंडिया फिल्म है ये मलयालम, कन्नड़ और हिंदी भाषाओं में भी सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. इसकी रिलीज को लेकर एक्साइटमेंट पीक पर पहुंच चुकी है. ये फिल्म थलपति विजय की 'जना नायकन' के साथ क्लैश करेगी. हालांकि बॉक्स ऑफिस पर मेकर्स ने जन नायकन से सीधे टकराव से बचने के लिए, फिल्म की तमिल रिलीज़ को एक दिन आगे बढ़ाने का फैसला किया है, लेकिन बाकी फिल्में अपने निर्धारित समय पर ही रिलीज़ होंगी. 'द राजा साहब' 9 जनवरी, 2026 को संक्रांति के त्योहार के मौके पर दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के लिए तैयार है।

'द राजा साब' स्टार कास्ट

पीपल मीडिया फैक्ट्री द्वारा समर्थित, 'द राजा साहब' का निर्माण टीजी विश्व प्रसाद और कृति प्रसाद ने किया है, जबकि मारुति इसके निर्देशक हैं. फिल्म में प्रभास ने लीड रोल किया है जबकि संजय दत्त, बोमन ईरानी, मालविका मोहनन, निधि अग्रवाल, रिद्धि कुमार और ज़रीना वहाब ने भी अहम रोल निभाया है. एक ट्वीट के अनुसार, जो काफी चर्चा में है, द राजा साहब सर्टिफिकेट मिल गया है, जिससे यह हॉरर कॉमेडी के अपनी ओरिजन थीम को बरकरार रखते हुए ज्यादा दर्शकों तक पहुंचेगी. वहीं फिल्म का रनटाइम 189 मिनट है, जो लगभग तीन घंटे नौ मिनट के बराबर है।

धुरंधर | अक्षय खन्ना को मिली लाइमलाइट

एंटरटेनमेंट डेस्क। आदित्य धर की फिल्म धुरंधर से एक्टर अक्षय खन्ना को खूब तारीफ मिल रही है. उनकी डांसिंग से लेकर एक्टिंग तक सभी कुछ छाया हुआ है. फिल्म में रणवीर सिंह लीड रोल में थे. लेकिन अक्षय खन्ना सारी लाइमलाइट लूट ले गए. वो धुरंधर में काम करने वाले नवीन कौशिक ने रणवीर सिंह और अक्षय खन्ना को लेकर बातें की हैं. नवीन कौशिक ने सिद्धार्थ कनन संग बातचीत में कहा, 'सेट पर रणवीर सिंह हमें दोस्तों की तरह ट्रीट करते थे. वहीं अक्षय खन्ना एक दूरी बनाए रखते थे. ये ज्यादा इसलिए था क्योंकि वो अपने कैरेक्टर में बहुत इंवेस्टेड थे. ऑन स्क्रीन डायनामिक रियल लाइफ में भी बन गए. सारे गैंग मेंबर्स एक साथ बैठकर हंसते थे और मस्ती करते थे. वहीं रहमान डकैत थोड़े अलग बैठते थे. पूरे शूट के दौरान ही ऐसा था।

आगे उन्होंने कहा, 'अगर हम अक्षय खन्ना से बात करने जाते थे तो वो हमसे अच्छे से बात करते थे. लेकिन जैसे ही बातचीत बंद होती थी तो वो अपने जोन में वापस चले जाते थे. पता नहीं ये मेथड एक्टिंग थी या रहमान डकैत की तरह वो भी शांत रहते थे, ऑब्जर्व करते थे और अन प्रिडिक्टेबल थे. अक्षय सर अपनी रियल लाइफ में भी ऐसे ही थे. वो सेट पर दूरी बनाए रखते थे और अपने कैरेक्टर पर फोकस रखते थे.' वहीं रणवीर सिंह के बारे में उन्होंने कहा, 'रणवीर सिंह हमजा के कैरेक्टर से बिल्कुल अलग हैं. रणवीर सिंह एनर्जी से भरे हैं. जब भी वो सेट पर होते थे वो सभी से मिलते थे. उन्हें आलस में बैठना पसंद नहीं. हमजा और रहमान एक–दूसरे से बहुत अलग हैं. जैसे ही डायरेक्ट कट बोलते थे रणवीर उस कैरेक्टर से बाहर आ जाते थे. वो बच्चों की तरह चीजें जानना चाहते हैं. उनके कोई भी बड़े स्टार्स वाले नखरे नहीं थे.' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि रणवीर के साथ गलत हुआ है. इसमें कोई शक नहीं है कि अक्षय सर ने आईकॉनिक कैरेक्टर क्रिएट किया है, जो सालों तक याद रहेगा. लेकिन रणवीर ने भी शानदार काम किया है. आवाज में बदलाव से लेकर अपनी रियल लाइफ एनर्जी को साइड करके हमजा का रोल करने तक. ये बहुत मुश्किल था.'

पावरस्टार की पार्टी में हंगामा दोस्त को बॉडीगार्ड ने स्टेज से दिया धक्का, हुई कहासुनी

भोजपुरी इंडस्ट्री के पावर स्टार पवन सिंह ने 5 जनवरी को अपना 40वां जन्मदिन सेलिब्रेट किया. लखनऊ में ग्रैंड पार्टी रखी गई. जहां सिनेमा, राजनीतिक जगत के अलावा भोजपुरी इंडस्ट्री के कई बड़े सितारों ने शिरकत की. अहाना कुमरा, कुब्रा सैत, कीकू शारदा ने पवन सिंह के बर्थडे का जश्न मनाया. लेकिन फिर अचानक ऐसा कुछ हुआ कि ये पार्टी विवादों में आ गई है।

काम पर लौटीं भारती सिंह

कॉमेडियन भारती सिंह मदरहुड एंजॉय कर रही हैं. उन्होंने 19 दिसंबर 2025 को काजू को जन्म दिया था. भारती सिंह काजू के जन्म के बाद अब काम पर लौट आई हैं. वो शो लाफ्टर शेफ होस्ट कर रही थीं. बेटे के जन्म के बाद कुछ दिन उन्होंने ब्रेक लिया था. लेकिन अब वो काम पर आ गई हैं. उन्होंने पैपराजी को पोज दिए. साथ ही पैपराजी को मिठाई भी बांटी.

भारती सिंह को ग्रे कलर के सूट में देखा गया. इसके साथ उन्होंने ऑरेंज पैंट पहना था. उन्होंने साइड पार्टेड हेयर स्टाइल बनाई और ड्यूई मेकअप कैरी किया. भारती ने हाथ जोड़कर पैपराजी को पोज दिया. वो काफी हंस रही थीं और खुश थीं. उन्होंने पैपराजी को कहा– किशमिश चाहिए थी. लेकिन काजू आ गया. फिर किसी पैपराजी ने कहा कि दोबारा कर लेना. तो भारती ने कहा कि ये ही करती रहूं. भारती सिंह ने पैपराजी संग खूब मस्ती की.

पर्दे पर फिर लौट रही सैयामी खेर और गुलशन देवैया की जोड़ी

सैयामी खेर और गुलशन देवैया एक बार फिर पर्दे पर साथ नजर आने वाले हैं. हालांकि, अभी इस प्रोजेक्ट को लेकर कोई पुष्टि नहीं हुई है. इस खबर के सामने आते ही फैंस के बीच उत्साह बढ़ गया है. बॉलीवुड में कई बार कुछ कलाकारों की ऑन–स्क्रीन केमिस्ट्री दर्शकों को इतनी पसंद आ जाती है कि वे उस जोड़ी को बार–बार पर्दे पर देखने की इच्छा जताने लगते हैं. ऐसी ही एक पसंदीदा जोड़ी है सैयामी खेर और गुलशन देवैया की. दोनों ने इससे पहले 'अनपॉज्ड' और '8 ए.एम. मेट्रो' जैसी फिल्मों में साथ काम किया था, जहां उनकी सहज और नेचुरल केमिस्ट्री ने दर्शकों का दिल जीत लिया था।

रोहित से छिना ताज, चार साल बाद फिर शीर्ष पर कोहली

स्पोर्ट्स डेस्क। आईसीसी की जारी ताजा रैंकिंग में विराट कोहली वनडे के शीर्ष बल्लेबाज बन गए हैं। कोहली पिछले कुछ समय से शानदार फॉर्म में चल रहे हैं और इसका असर रैंकिंग में भी देखने मिला है। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली वनडे में शीर्ष बल्लेबाज बन गए हैं। आईसीसी की जारी ताजा रैंकिंग में कोहली ने रोहित को पीछे छोड़ दिया है और वह नंबर एक स्थान पर आ गए हैं। रोहित तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं, जबकि दूसरे नंबर पर न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल हैं। दिलचस्प बात यह है कि कोहली और मिचेल के बीच महज एक रैटिंग अंक का फासला है। कोहली 785 अंक के साथ शीर्ष पर हैं। वहीं, मिचेल के 784 अंक हैं।

53 महीने बाद फिर नंबर एक बने विराट

कोहली 53 महीने बाद वनडे में फिर नंबर एक बल्लेबाज बने। 37 वर्षीय कोहली जुलाई 2021 के बाद रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे हैं। कोहली पिछले कुछ समय से शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर आखिरी वनडे में नाबाद 74 रन बनाए थे। इसके बाद उन्होंने पिछली चार पारियों में 135, 102, 65 और 93 रन बनाए हैं। कोहली की यह पारी न्यूजीलैंड के 300 रन के लक्ष्य को वडोदरा में सफलतापूर्वक पार करने में अहम साबित हुई थी।

2013 में पहली बार शीर्ष पर पहुंचे थे कोहली

कोहली ने यह रैंकिंग पहली बार अक्तूबर 2013 में हासिल की थी और यह उनका 11वां अलग–मौका है जब वह नंबर–एक बने हैं। आज की तारीख तक, वे कुल 825 दिनों तक नंबर–एक पर रह चुके हैं, जो दुनिया में 10वां सबसे लंबा और किसी भी भारतीय खिलाड़ी द्वारा सबसे अधिक है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पूरे किए थे 28000 रन

विराट कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 28,000 रन पूरे कर लिए थे। यह ऐतिहासिक उपलब्धि उन्होंने न्यूजीलैंड के स्पिनर आदित्य अशोक की गेंद पर जोरदार शॉट लगाकर हासिल की थी। इसके साथ ही कोहली सचिन तेंदुलकर और कुमार संगकारा के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 28,000 रन पूरे करने वाले दुनिया के तीसरे बल्लेबाज बन गए। खास बात यह रही कि कोहली ने यह कारनामा सिर्फ 624 पारियों में कर दिखाया, जिससे वे इस आंकड़े तक पहुंचने वाले सबसे तेज बल्लेबाज बन गए।

केएल राहुल एक स्थान ऊपर आए

वनडे रैंकिंग में अन्य भारतीयों की बात करें तो कप्तान शुभमन गिल पांचवें और श्रेयस अय्यर 10वें स्थान पर बरकरार हैं। वहीं, विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल को एक स्थान का फायदा हुआ है और वह 11वें नंबर पर आ गए हैं। वहीं, गेंदबाजों में मोहम्मद सिराज पांच स्थान की छलांग लगाकर 15वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

श्रीकांत की शानदार जीत

खेल परिस्थितियों पर उठे सवालों पर की बात, पीवी सिंधू पहले राउंड से बाहर

स्पोर्ट्स डेस्क। इंडिया ओपन 2026 में पीवी सिंधू को पहले दौर में वियतनाम की गुयेन थुई लिन्ह से हार झेलनी पड़ी, जबकि किदांबी श्रीकांत ने जीत दर्ज कर अगले दौर में जगह बनाई। मैच के बाद श्रीकांत ने स्टेडियम की व्यवस्थाओं को लेकर उठे विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें खेल परिस्थितियों में कोई बड़ी कमी नजर नहीं आई। इंडिया ओपन 2026 में भारतीय बैडमिंटन को शुरुआती दौर में झटका लगा, जब दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू को राउंड–1 में निचली रैंकिंग की वियतनाम की खिलाड़ी गुयेन थुई लिन्ह के खिलाफ तीन गेम तक चले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। इसी टूर्नामेंट में पूर्व विश्व नंबर–1 किदांबी श्रीकांत ने शानदार संघर्षपूर्ण जीत दर्ज करते हुए दूसरे दौर में जगह बनाई और साथ ही खेल परिस्थितियों को लेकर उठे विवाद पर अपनी स्पष्ट राय रखी।

सिंधू बाहर हुईं, श्रीकांत ने जीता पहला मुकाबला

पूर्व विश्व नंबर–1 भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने इंडिया ओपन सुपर 750 में शानदार प्रदर्शन करते हुए हमवतन थरुण मणिपल्ली को कड़े मुकाबले में हराकर दूसरे दौर में जगह बना ली। श्रीकांत ने यह मुकाबला 15–21, 21–6, 21–19 से अपने नाम किया। मैच के बाद श्रीकांत ने टूर्नामेंट की खेल परिस्थितियों को लेकर उठे विवाद पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। दरअसल, डेनमार्क की खिलाड़ी मिया ब्लिचफेल्ट ने इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम की व्यवस्थाओं पर सवाल उठाते हुए इसे अस्वस्थ वातावरण बताया था और बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) से हस्तक्षेप की मांग की थी।

व्यवस्था पर उठे सवालों को श्रीकांत ने किया खारिज

हालांकि, श्रीकांत ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि उन्हें आयोजन स्थल पर कुछ भी असामान्य या खराब नहीं लगा। उन्होंने कहा, 'हर देश की अपनी परिस्थितियाँ होती हैं। कहीं शटल में ज्यादा ड्रिफ्ट होता है, कहीं कम। मैंने यहां ऐसा कुछ नहीं देखा जिसे 'खराब' कहा जाए।' श्रीकांत ने यह भी याद दिलाया कि अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में पहले भी इस तरह की समस्याएं सामने आती रही हैं। उन्होंने बताया कि एक बार डेनमार्क में लाइट चली जाने के कारण उन्हें करीब एक घंटे तक मैच के दौरान इंतजार करना पड़ा था। वहीं, एच. एस. प्रणय को एक मैच दो दिनों में पूरा करना पड़ा था। 32 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने कहा, 'ये चीजें बहुत कम होती हैं और कोई भी देश जानबूझकर ऐसा नहीं करता। सभी आयोजक अच्छा करना चाहते हैं।'

'आयुष बदोनी का वनडे टीम में चयन अनुचित'

श्रीकांत ने किस पर लगाया पक्षपात का आरोप

स्पोर्ट्स डेस्क। आयुष बदोनी के वनडे टीम में चयन पर श्रीकांत ने पक्षपात, असमान चयन मानदंड और प्व्स् आधारित फैसलों के आरोप लगाए हैं। वहीं टीम मैनेजमेंट ने इसे संतुलन और आवश्यकता आधारित फैसला बताया है। इस बहस ने भारतीय चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता और निरंतरता को लेकर नया विवाद खड़ा कर दिया है। भारत–न्यूजीलैंड वनडे सीरीज के लिए टीम चयन को लेकर विवाद गहरा गया है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और चयनकर्ता कृष्णमाचारी श्रीकांत ने आयुष बदोनी को टीम में शामिल किए जाने पर कड़ा एतराज जताते हुए चयन प्रक्रिया पर पक्षपात और असमान मानदंडों के आरोप लगाए हैं। उनका मानना है कि बदोनी के हालिया प्रदर्शन चयन के योग्य नहीं थे, फिर भी उन्हें टीम में जगह मिली।

'चयन पूरी तरह अनुचित'

सिलेक्शन पर सवाल उठाते हुए श्रीकांत ने कहा कि घरेलू और आईपीएल दोनों स्तरों पर बदोनी का हालिया प्रदर्शन वनडे टीम में शामिल होने लायक नहीं है। उनके शब्दों में, 'ऐसे प्रदर्शन के आधार पर चुना जाना बिल्कुल अनुचित है। इस तरह तो चयन का कोई पैमाना ही नहीं रह जाता।' श्रीकांत ने दावा किया कि चयन में उपयोग किए जाने वाले मानदंड स्पष्ट नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'कुछ खिलाड़ियों से कहा जाता है कि रन बनाओ तभी मौका मिलेगा। लेकिन कुछ लोगों को बिना कुछ किए भी चुन लिया जाता है।

दुनिया के नंबर–दो शटलर एंटोनसन ने इंडिया ओपन से क्यों बनाई दूरी

स्पोर्ट्स डेस्क। एंटोनसन ने इंडिया ओपन बैडमिंटन से दूर रहने का फैसला किया है। उन्होंने बुधवार को वजह का खुलासा किया और बताया कि दिल्ली में काफी प्रदूषण। इसी वजह से और अपने स्वास्थ्य को देखते हुए वह इंडिया ओपन में हिस्सा नहीं लेंगे। दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसन ने बुधवार को कहा कि दिल्ली में बहुत अधिक प्रदूषण के कारण उन्होंने लगातार तीसरे साल इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया।

एंटोनसन ने पिछले हफ्ते नाम वापस लिया था

एंटोनसन ने पिछले हफ्ते इंडिया ओपन से हटने का फैसला किया था, लेकिन यह कारण नहीं बताया था कि उन्होंने आखिर क्यों ऐसा फैसला किया। डेनमार्क के इस खिलाड़ी ने हालांकि बुधवार को इंस्टाग्राम पर अपने फैसले का कारण बताते हुए दिल्ली में प्रदूषण के खतरनाक स्तर को जिम्मेदार ठहराया।

लगातार तीसरे साल इंडिया ओपन से बाहर

एंटोनसन ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'बहुत से लोग जानना चाहते हैं कि मैंने लगातार तीसरे साल इंडिया ओपन से नाम क्यों वापस ले लिया है। इस समय दिल्ली में बहुत अधिक प्रदूषण है इसलिए मुझे नहीं लगता कि यह बैडमिंटन टूर्नामेंट की मेजबानी करने के लिए सही जगह है।'

अगस्त में BWF विश्व चैंपियनशिप

डेनमार्क के इस 28 साल के खिलाड़ी ने हालांकि उम्मीद जताई कि अगस्त में जब इसी जगह पर बीडब्ल्यूएफ बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप का आयोजन किया जाएगा तो हालात जनवरी की तुलना में बेहतर होंगे। विश्व चैंपियनशिप में एक रजत और तीन कांस्य पदक सहित चार पदक जीतने वाले एंटोनसन ने कहा, 'उम्मीद है कि गर्मियों में जब दिल्ली में विश्व चैंपियनशिप होगी तो हालात बेहतर होंगे।'

दी नेक्स्ट पोस्ट
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003
UPHIN/2023/90814
बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com
नोटः- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

ठंड, गंदगी और अस्वस्थ माहौल, इंदिरा गांधी स्टेडियम की व्यवस्थाओं पर फिर भड़कीं मिया ब्लिचफेल्ट

स्पोर्ट्स डेस्क। डेनमार्क की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी मिया ब्लिचफेल्ट ने इंदिरा गांधी स्टेडियम की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े किए हैं। डेनमार्क की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी मिया ब्लिचफेल्ट ने एक बार फिर भारत में आयोजित इंडिया ओपन सुपर 750 के दौरान खिलाड़ियों को मिल रही सुविधाओं पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि नए वेन्यू इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में शिफ्ट होने के बावजूद हालात में कोई खास सुधार नहीं हुआ है।

स्वास्थ्य के लिए असुरक्षित माहौल

ब्लिचफेल्ट ने कहा कि स्टेडियम में हालात गंदे और अस्वस्थ हैं, जो खिलाड़ियों के लिए बिल्कुल भी पेशेवर नहीं कहे जा सकते। उनके मुताबिक, अत्यधिक ठंड के कारण खिलाड़ी दो–दो लेयर के कपड़े, जैकेट, दस्ताने और टोपी पहनकर वार्म–अप करने को मजबूर हैं।

वार्म–अप में आ रही दिक्कत

उन्होंने बताया कि इतनी ठंड में सही तरीके से वार्म–अप करना मुश्किल हो जाता है, जबकि खिलाड़ियों को कोर्ट पर तेज मूवमेंट और स्प्लिट्स जैसे कठिन मूव्स करने होते

हैं। ब्लिचफेल्ट ने कहा कि यह एलिट खिलाड़ियों की तैयारी के लिए बिल्कुल सही माहौल नहीं है।

पिछले साल जैसी ही शिकायत

मिया ने साफ कहा कि उन्होंने पिछले साल केडी जाधव हॉल में भी इसी तरह की शिकायतें की थीं और इस साल भी स्थिति लगभग वैसी ही है। उन्होंने बताया कि वार्म–अप कोर्ट में पक्षी उड़ते नजर आए और कोर्ट पर गंदगी भी थी, जो बेहद अस्वस्थ स्थिति को दर्शाता है।

BWF से हस्तक्षेप की मांग

ब्लिचफेल्ट ने टूर्नामेंट आयोजकों, भारतीय बैडमिंटन संघ (ठ।ै) और बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (ठॅथ्) से हस्तक्षेप करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह एक प्रोफेशनल खेल है और खिलाड़ियों की सेहत से समझौता नहीं होना चाहिए।

चोट और बीमारी का खतरा

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इन हालातों में खिलाड़ी बीमार पड़ते हैं या चोटिल होते हैं तो यह पूरी तरह से अनुचित होगा। खासकर अगस्त में होने वाली वर्ल्ड चैंपियनशिप से पहले इन कमियों को दूर करना बेहद जरूरी है। बता दें कि, यह पहला मौका नहीं है जब ब्लिचफेल्ट ने इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम की स्थितियों की आलोचना की। पिछली साल उन्होंने दिल्ली के प्रदूषण पर भी सवाल खड़े किए थे।